नई दिल्ली ■ गुरुवार 09 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 11 ■ पृष्ठ 08

J B T

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 अनुशासन से बनाएं बेहतर स्वास्थ्य | 07 अर्जेंटीना दौरा: 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की घोषणा | जल्द ही फिल्म 'करुप्पु' में नजर आएंगी तृषा कृष्णन 08

अमेरिका, इजराइल और ईरान दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत

दुबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरानी सभ्यता को मिटा देने की धमकियों से अंतिम समय में पीछे हटने के बाद ईरान, अमेरिका और इजराइल दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। फिलहाल समझौते की शर्तों के बारे में स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी अभी पता नहीं है कि क्या इससे स्थायी शांति स्थापित हो सकती है, क्योंकि दोनों पक्षों ने शर्तों के संबंध में बिल्कुल अलग-अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं।

युद्धविराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ईरान की ओर से मिसाइल हमले की सूचना दी, और कुवैत की सेना ने कहा कि उसकी सेना ड्रोन हमलों का जवाब दे रही है। वहीं, ईरान ने कहा कि उसकी एक तेल रिफाइनरी पर हमला हुआ है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने समझौते को 'एक नाजुक युद्धविराम' बताया। बातचीत जल्द शुरू होने के संकेत मिल रहे थे, फिर भी समझौते के बारे में कई बातें अज्ञात हैं: ईरान ने कहा कि इस समझौते से उसे होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने की नयी व्यवस्था को औपचारिक रूप देने की अनुमति मिल जाएगी, लेकिन समझौते की शर्तें स्पष्ट नहीं हैं। यह भी ज्ञात नहीं है कि कोई अन्य देश इस शर्त पर सहमत है या नहीं। पाकिस्तान, जिसने समझौते में मध्यस्थता करने में मदद की, और अन्य देशों ने कहा कि वे लेबनान में लड़ाई रोक देंगे, जहां इजराइल ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह के खिलाफ जमीनी आक्रमण शुरू किया है।

इजराइल ने कहा कि वह हिजबुल्लाह के खिलाफ हमले जारी रखेगा। युद्धविराम की घोषणा के बाद ईरान की राजधानी की सड़कों पर सरकार समर्थक प्रदर्शनकारियों ने 'अमेरिका मुर्दाबाद, इजराइल मुर्दाबाद, समझौता करने वाले मुर्दाबाद!' के नारे लगाए। आयोजकों ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की लेकिन वे लगातार नारे लगाते रहे। उन्होंने सड़क पर अमेरिकी और इजराइल के झंडे भी जलाए। युद्धविराम की शर्तों को लेकर अलग-अलग खबरें आई हैं ट्रंप ने शुरू में कहा था कि ईरान ने एक 'व्यवहार्य' 10-सूत्री योजना का प्रस्ताव दिया है जो 28 फरवरी को अमेरिका, इजराइल के हमले के साथ शुरू युद्ध को समाप्त करने में मदद कर सकता है। लेकिन, जब ईरान का संस्करण सामने आया तो ट्रंप ने बिना विस्तार से बताए इसे धोखाधड़ी करार दिया। ईरान के संस्करण में संकेत दिया गया था कि उसे यूरेनियम संवर्धन जारी रखने की अनुमति दी जाएगी-जो परमाणु हथियार बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिकी युद्धपोत होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बने रहेंगे, जिससे शांति काल में कुल तेल और प्राकृतिक गैस व्यापार का 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता था। आने वाले दिनों में यह एक संभावित तनाव का कारण बन सकता है। युद्ध समाप्त करने के लिए ईरान की मांगों में क्षेत्र से अमेरिकी लड़ाकू बलों की वापसी, प्रतिबंधों को हटाना और उसकी जब्त संपत्तियों को जारी करना शामिल है। ये सभी प्रस्ताव ट्रंप और अन्य पश्चिमी देशों के लिए शायद ही स्वीकार्य हों।

पाकिस्तान ने कहा कि युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए वार्ता शुक्रवार को इस्लामाबाद में शुरू हो सकती है। इजराइल ने ईरान के साथ अमेरिका के युद्धविराम का समर्थन किया, लेकिन प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि यह समझौता हिजबुल्लाह पर लागू नहीं होता है। उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह से लड़ाई जारी रहेगी।

इजराइल की सेना ने कहा कि लड़ाई और जमीनी अभियान जारी हैं। ईरान और ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजरानी शुल्क वसूलेंगे। युद्धविराम से इस मार्ग पर नियंत्रण को औपचारिक रूप दिया जा सकता है और ईरान को राजस्व का एक नया स्रोत मिल सकता है। एक अधिकारी के अनुसार, इस योजना के तहत ईरान और ओमान दोनों को जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने की अनुमति दी गई है। अधिकारी ने कहा कि ईरान इस राशि का इस्तेमाल पुनर्निर्माण के लिए करेगा।

ईरान के साथ वार्ता को लेकर अभी कुछ भी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है : अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने बुधवार को कहा कि ईरान के साथ आमने-सामने की बातचीत की योजनाओं को लेकर अभी 'कुछ भी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरानी सभ्यता को मिटा देने की धमकियों से अंतिम समय में पीछे हटने के बाद ईरान, अमेरिका और इजराइल दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। इस सप्ताह के अंत में पाकिस्तान में होने वाली अमेरिका-ईरान वार्ता में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस की भागीदारी के बारे में पूछे गए सवालों पर राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक बयान में कहा कि आमने-सामने की बातचीत के बारे में चर्चा चल रही है, लेकिन राष्ट्रपति या व्हाइट हाउस द्वारा घोषणा किए जाने तक कुछ भी अंतिम नहीं है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति हंगरी में हैं, जहां वह आगामी चुनावों से पहले प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन का समर्थन कर रहे हैं।

केंद्र ने जयपुर मेट्रो फेज-2 को दी मंजूरी 41 किमी लंबा कॉरिडोर बनेगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जयपुर शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना को मंजूरी दे दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस 41 किलोमीटर लंबे नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर को स्वीकृति प्रदान की गई।

जयपुर तेजी से विकसित हो रहा शहर है और इसकी बढ़ती आबादी एवं पर्यटन को देखते हुए यह परियोजना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि फेज-2 के शुरू होने से शहर के बड़े हिस्से को मेट्रो से जोड़ दिया जाएगा और यह ईस्ट-वेस्ट एवं नॉर्थ-साउथ दोनों कॉरिडोर को एकीकृत करेगा। यह मेट्रो कॉरिडोर प्रह्लादपुरा से टोड़ी मोड़ तक बनाया जाएगा, जिसमें कुल 36 स्टेशन होंगे। इनमें से दो स्टेशन भूमिगत होंगे जबकि शेष एलिवेटेड होंगे। परियोजना की कुल लागत 13,038 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसका निर्माण राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RMRCL) द्वारा किया जाएगा, जो केंद्र और राजस्थान सरकार का संयुक्त उपक्रम है। यह परियोजना जयपुर के प्रमुख क्षेत्रों जैसे सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, वीकेआईए, जयपुर एयरपोर्ट, टोंक रोड, एसएमएस अस्पताल, स्टेडियम, अंबाबाड़ी और विद्याधर नगर को आपस में जोड़ेगी। एयरपोर्ट क्षेत्र में कुछ स्टेशन भूमिगत होंगे, जबकि बाकी हिस्सा एलिवेटेड रहेगा। फेज-2 को वर्तमान में संचालित फेज-1 से जोड़ा जाएगा।

खरीफ फसलों के लिए 'पीएंडके' उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में इस साल की खरीफ की फसल (एक अप्रैल से 30 सितंबर) के लिए फॉस्फेटिक और पोटाशिक उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई।

अरुणाचल: 2 जल विद्युत परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अरुणाचल प्रदेश की दो जल विद्युत परियोजनाओं में निवेश को मंजूरी दी है। इसमें अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में 1200 मेगावाट की कलाई-II जलविद्युत परियोजना और कामले, क्रा दाडी और कुरुंग कुमे जिलों में 1720 मेगावाट की कमला जलविद्युत परियोजना शामिल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति ने निवेश को मंजूरी दे दी।

राजस्थान के बालोतरा पेट्रोकेमिकल परियोजना की लागत और निवेश में की बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने एचपीसीएल की राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा में बन रही राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड की लागत और उसमें इक्विटी निवेश में संशोधन किया है। संशोधित परियोजना लागत अब 79,459 करोड़ रुपये की गई है। परियोजना से भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र की आयात पर निर्भरता कम होगी। परियोजना के 1 जुलाई, 2026 को वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने संशोधन को मंजूरी दी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का निधन

नोएडा। गांधी परिवार की भरोसेमंद वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का बुधवार तड़के 93 वर्ष की आयु में नोएडा के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से पूरे प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन पर विभिन्न दलों के नेताओं ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। राजनीतिक जीवन में लंबे समय तक सक्रिय रहीं मोहसिना किदवई नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास में रहती थीं। कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव लियाकत चौधरी ने बताया कि मोहसिना किदवई का सुबह नोएडा के सेक्टर 12 स्थित मेट्रो अस्पताल में निधन हो गया है।

RBI ने रेपो दर को यथावत रखा, 2026-27 में वृद्धि दर 6.9%रहने का अनुमान

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए बुधवार को नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। आरबीआई ने इसके साथ सतर्कता बरतते हुए 'देखो और इंतजार करो' की नीति का रुख अपनाया है।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा ऐसे समय हुई है जब पश्चिम एशिया में लगभग 40 दिन चले युद्ध के कारण कच्चे तेल दाम में उल्लेखनीय तेजी आई है। इससे ईंधन के आयात पर निर्भर भारत जैसे देशों के लिए मुद्रास्फीतिक दबाव बढ़ा है। हालांकि, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध विराम से वैश्विक स्तर पर पुनरुद्धार की उम्मीद भी बंधी है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की छह अप्रैल से शुरू तीन-दिवसीय बैठक में लिए गए इन निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि एमपीसी ने आम सहमति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही एमपीसी ने मौद्रिक नीति के मामले में 'तटस्थ' रुख को बनाये रखा है।

कोलकाता में मर्लिन ग्रुप पर ईडी की छापेमारी, मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत कार्रवाई

कोलकाता। कोलकाता की रियल एस्टेट कंपनी मर्लिन ग्रुप और उसके प्रमोटरों के ठिकानों पर ईडी ने धन शोधन जांच के सिलसिले में छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार, कंपनी और उसके प्रमोटर सुशील मोहता तथा साकेत मोहता से जुड़े लगभग सात ठिकानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत तलाशी अभियान चलाया गया। वहीं, इस कार्रवाई को लेकर कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

जनगणना के लिए उत्तर प्रदेश में 07 मई से शुरू होगा स्व-गणना पोर्टल

लखनऊ। जनगणना के लिए प्रदेश में आम जनता के लिए स्व-गणना का प्रावधान किया गया है। उत्तर प्रदेश में स्व-गणना पोर्टल 7 मई से 21 मई तक उपलब्ध रहेगा। जिस पर कोई भी नागरिक अपने परिवार की जानकारी स्वयं भर सकेगा। मुख्य सचिव एस पी गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। इस बैठक में भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित रहे तथा उन्होंने कार्यान्वयन के संदर्भ में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने समीक्षा बैठक में कहा कि सभी नागरिकों के लिए समावेशी व्यवस्था एवं आवश्यक सहायता सुनिश्चित करते हुए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाकर स्व-गणना को प्रोत्साहित किया जाए।

दो माह 'ग्राउंडेड' रहने के बाद अब फिर से उड़ान भर सकेंगे तेजस लड़ाकू जेट

नई दिल्ली। लगभग दो महीने तक जमीन पर खड़े रहने के बाद अब फिर से तेजस लड़ाकू जेट उड़ान भर सकेंगे। लगातार तीन दुर्घटनाओं के बाद 'ग्राउंडेड' किये गए विमानों की जांच में कई खामियां मिली थीं, जिन्हें ठीक किये जाने के बाद वायु सेना ने उड़ान भरने की मंजूरी दी है।

उड़ान पर रोक के चलते ही इसी साल 27 फरवरी को पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में हुए 'वायु शक्ति' अभ्यास में स्वदेशी तेजस मार्क-1 शामिल नहीं हो पाया था। दरअसल, 07 फरवरी को एक तेजस विमान पश्चिमी मोर्चे के एक फॉरवर्ड बेस से टेक ऑफ करते समय रनवे से फिसलकर पास की मिट्टी की खाई में जा गिरा था। सिंगल-सीटर एयरक्राफ्ट का पायलट बच गया, लेकिन उसे चोटें आईं थी। इसी दुर्घटना के बाद भारतीय वायु सेना ने अपने तेजस लड़ाकू जेट बेड़े को जमीन पर रोक दिया, क्योंकि यह तेजस विमान की तीसरी दुर्घटना थी। इससे पहले पहली दुर्घटना मार्च 2024 में जैसलमेर के पास हुई थी, जब पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में हुए 'वायु शक्ति' अभ्यास में प्रदर्शन करके लौटते समय क्रैश हो गया था।

दूसरा क्रैश नवंबर 2025 में हुआ था, जब जेट दुबई एयरशो में एक एरोबैटिक डिस्प्ले में शामिल था। इस दुर्घटना में पायलट की मौत हो गई थी। भारतीय वायु सेना ने इसके बाद लगभग 35 एकल सीट वाले तेजस हल्के लड़ाकू विमानों के अपने पूरे बेड़े को विस्तृत तकनीकी जांच के लिए जमीन पर रोक दिया, ताकि इसकी जांच करके प्रणालीगत दोष दूर किये जा सकें।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का निधन

नोएडा पहुंचे कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, मोहसिना किदवई के अंतिम दर्शन कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नोएडा। एक समय गांधी परिवार की भरोसेमंद साथी और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई को दिल्ली के निजामुद्दीन कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया। 94 वर्षीय मोहसिना का बुधवार सुबह नोएडा के मेट्रो अस्पताल में हृदयाघात से निधन हो गया था। मोहसिना के निधन की खबर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद और जयराम रमेश सहित कई बड़े नेता उनके घरपहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने कब्रिस्तान पहुंचे।

कांग्रेस की नेता मोहसिना किदवई नोएडा के सेक्टर 40 में अपने परिजनों के साथ रह रही थी। बुधवार सुबह उन्हें गंभीर हालत में नोएडा के सेक्टर 12 स्थित अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों के अनुसार उनकी मौत हृदयाघात के चलते हुई है। मोहसिना किदवई की के निधन की सूचना पाकर कांग्रेस के कई बड़े नेता, पूर्व मंत्री और उनके समर्थक उनके आवास पर पहुंचने लगे। मोहसिना के परिजनों को सांत्वना देने वालों का तांता लग गया। कांग्रेस नेता मोहसिना किदवई की अंतिम यात्रा उनके नोएडा के आवास से शुरू हुई। उनके पार्थिव शरीर को दिल्ली के निजामुद्दीन कब्रिस्तान ले जाया गया। यहां इस्लाम रीति रिवाज से उनको सुपुर्दे खाक कर दिया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और उनके शुभचिंतकमौजूद रहे। इससे पहले कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी नोएडा स्थित मोहसिना के आवास पर पहुंचे और उनके अंतिम दर्शन कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। यहां मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोहसिना किदवई केवल एक राजनेता नहीं थीं, बल्कि वे भारतीय राजनीति में शुचिता, संघर्ष और वैचारिक स्पष्टता का प्रतीक थीं। एक ऐसे दौर में जब राजनीति में मूल्यों का क्षरण हो रहा है, किदवई जैसी शख्सियत का जाना एक अपूरणीय क्षति है।

उन्होंने जिस दृढ़ता के साथ गांधीवादी विचारधारा और संवैधानिक मूल्यों का प्रतिनिधित्व किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी रहेंगी। खरगे ने कखा कि एक केंद्रीय मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल ने यह सिद्ध किया कि सत्ता का उपयोग जनसेवा के लिए किस निष्ठा के साथ किया जाना चाहिए। मोहसिना के निधन की सूचना पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद, आनंद शर्मा, राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश, सांसद तनुज पुनिया, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया शिंदे भी नोएडा के सेक्टर 40 स्थित उनके आवास पर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। इन नेताओं ने मोहसिना किदवई के द्वारा समाज के प्रति किए गए कार्यों की याद किया।

वहीं मोहसिना किदवई के निधन पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी, राज्यसभा सांसद मुकुल वासनिक, पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है। मोहसिना किदवई मूल रूप से जनपद बाराबंकी की रहने वाली थीं। उनका जन्म 1 जनवरी, 1932 को बाराबंकी के मसौली में हुआ था। मोहसिना किदवई की तीन बेटियां हैं। वह आजमगढ़, बहराइच और मेरठ से सांसद रह चुकी हैं। वह 1978 उपचुनाव, 1980 और 1984 में उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर से सांसद चुनी गईं। मोहसिना किदवई हज कमेटी की अध्यक्ष भी रहीं। वह पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी के खासे नजदीकी नेताओं मे मानी जाती थी। कांग्रेस नेता मोहसिना किदवई इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की सरकारों में केंद्रीय मंत्री रहने के दौरान स्वास्थ्य, शहरी विकास, पर्यटन और नागरिक उड्डयन जैसे मंत्रालयों में काम किया।

मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका ने मोहसिना किदवई के निधन पर दुख जताया

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मोहसिना किदवई का आज उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित आवास पर 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से उम्रजनित समस्याओं से पीड़ित थीं।

मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पोस्ट में उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मोहसिना किदवई ने अपने जीवन के छह दशक से अधिक समय देश की सेवा को समर्पित किए और वे पार्टी की एक मजबूत व मार्गदर्शक नेता रहीं। किदवई लोकसभा और राज्यसभा दोनों की सदस्य रहीं और कांग्रेस कार्य समिति की सम्मानित सदस्य के रूप में उन्होंने कठिन समय में पार्टी को दिशा दी। उनका निधन कांग्रेस और राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है।

राहुल गांधी ने भी उनके निधन पर शोक जताया। उन्होंने कहा कि मोहसिना किदवई एक अत्यंत वरिष्ठ, वफादार और समर्पित नेता थीं, जिनका पूरा जीवन जनसेवा के लिए समर्पित रहा। उनकी सादगी, सौम्यता और गरिमापूर्ण राजनीतिक जीवन ने देश की कई पीढ़ियों, विशेषकर महिलाओं को प्रेरित किया।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मोहसिना किदवई के ज्ञान और मार्गदर्शन को याद करेंगे। वह अपने समय की अग्रणी थीं। यूपी की कुछ महिला पीसीसी अध्यक्षों में से एक के रूप में, उन्होंने राज्य के हर कोने की यात्रा की और जिलों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ स्थायी संबंध बनाए। उनका साहस, वैचारिक प्रतिबद्धता और देशभक्ति निर्विवाद थी। वह एक दयालु व्यक्ति थीं जिन्होंने बहुत गरिमापूर्ण जीवन जीया। उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें इस क्षति को साहस के साथ सहने की शक्ति मिले।

भाजपा का जनसंवाद कार्यक्रम, समस्याओं के समाधान पर हुआ मंथन

नोएडा। सेक्टर-66 स्थित मामूरा में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष महेश चौहान मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं और सुझाव साझा किए। कार्यक्रम में महेश चौहान ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी।

उन्होंने देश की सुरक्षा व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमाओं पर तैनात सेना के पराक्रम के कारण नागरिक सुरक्षित वातावरण में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उन्होंने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण कार्य, सेमीकंडक्टर उद्योग में प्रगति, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना तथा आवासीय योजनाओं से आमजन को मिल रहे लाभों का भी जिक्र किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा इकाई के वरिष्ठ महामंत्री मनोज भाटी ने मामूरा क्षेत्र में स्थायी पार्किंग निर्माण की आवश्यकता उठाई और इस संबंध में प्राधिकरण का ध्यान आकर्षित किया। मामूरा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आनन्द पाल चौहान ने गांव की जमीनी समस्याओं को प्रमुखता से रखते हुए बिजली आपूर्ति की अनियमितता, साफ-सफाई की कमी और जर्जर सड़कों की स्थिति पर चिंता जताई। वहीं पूर्व प्रधान रवि चौहान ने क्षेत्र में सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। बता दें कि जनसंवाद कार्यक्रम के माध्यम से जहां एक ओर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, वहीं स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।

अब इन मुद्दों के समाधान को लेकर संबंधित अधिकारियों की कार्रवाई पर ग्रामीणों की नजर बनी हुई है। कार्यक्रम में ओमवीर अवाना, रुचि चौहान, बब्लू यादव, देवेंद्र, अमित त्यागी, सतपाल चौहान, जितेंद्र चौहान, राजवीर सिंह, सुशील चौहान स सहित अन्य किसान मौजूद रहें।

इंडिया एक्सपो मार्ट में व्यावसायिक संभावनाओं की तलाश में उद्योग, सरकार और वैश्विक भागीदार एक मंच पर जुटे

नोएडा। इलेक्ट्रॉनिका इंडिया और प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया 2026 के उद्घाटन दिवस पर ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में नीतिगत संकेतों और व्यावसायिक इरादों का स्पष्ट मिश्रण देखने को मिला, जहां वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधि और उद्योग जगत के हितधारक एकत्र हुए। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में निवेश, साझेदारी और विकास को लेकर सकारात्मक माहौल दिखाई दिया। मेस्से मुएनचेन इंडिया के सीईओ एवं आईएमईए के प्रेसिडेंट भूपिंदर सिंह ने कहा कि यह मंच अब स्पष्ट व्यावसायिक प्राथमिकताओं और परिणाम-उन्मुख दृष्टिकोण के साथ विकसित हो चुका है। कंपनियां सोर्सिंग, साझेदारी और निवेश के उद्देश्य से भाग ले रही हैं, जो मापनीय परिणामों की दिशा में बदलाव को दर्शाता है।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि पिछले एक दशक में उत्तर प्रदेश एक स्थिर और निवेश-तैयार राज्य के रूप में उभरा है। उन्होंने औद्योगिक विकास, निर्यात वृद्धि और विनिर्माण क्षेत्र में बढ़ते फोकस को राज्य की प्रमुख उपलब्धि बताया। भारत सरकार में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी तथा वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश मजबूत नीतिगत समर्थन और औद्योगिक क्षमता के साथ इस बदलाव का प्रमुख केंद्र बन रहा है।

उन्होंने पीएलआई जैसी योजनाओं और कंपोनेंट निर्माण पर जोर देते हुए भारत को वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता जताई। प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र आज औद्योगिक विकास का आधार बन चुका है और उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में तेजी से अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

वहीं आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने इसे भारत को 2047 तक आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री अजीत सिंह पाल, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार और मेस्से मुएनचेन ग्रुप के सीईओ डॉ. राइनहार्ड फाइफर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस आयोजन ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा कॉरिडोर को एक मजबूत विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के प्रयासों को बल दिया।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाला गिरफ्तार

नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने 50 फर्जी वर्क परमिट, एंट्री पास, मालदीव की एक कंपनी का फर्जी एग्रीमेंट लेटर, कांटेक्ट लेटर ,फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड, चेक बुक और तीन मोबाइल फोन बरामद किया है।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि एक सूचना के आधार पर बुधवार को थाना पुलिस ने इसहाक यूनुस पुत्र यूनुस उस्मान निवासी जनपद रामपुर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि यह बेरोजगार युवकों को विदेश भेजने के नाम पर उनसे लाखों रुपये की ठगी कर चुका है। इसकी गिरफ्तारी चार मूर्ति चौराहे के पास से हुई है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि यह कूटरचित वर्क परमिट, एंट्री पास, एग्रीमेंट लेटर, कांटेक्ट लेटर भेजकर युवकों को अपने जाल में फंसाता था। उन्हें विदेश भेजने के नाम पर उनसे डेढ़ से 02 लाख रुपये लेता था। इस बदमाश ने दर्जनों युवकों से लाखों रुपये की ठगी करने की बात स्वीकार की है।

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती 25 वर्षीय युवक की मौत

नोएडा। नोएडा के थाना बिसरख क्षेत्र के बिसरख गांव में स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती एक 25 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। मृतक के परिजनों ने नशा मुक्ति केंद्र के लोगों पर कई गंभीर आरोप लगाया है।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि अमन कुमार पुत्र चंद्रप्रकाश उम्र 25 वर्ष मूल निवासी जनपद मैनपुरी बिसरख गांव में स्थित नशा मुक्ति केंद्र करुणा दृष्टि सेवा फाउंडेशन में लगभग 4 महीने से रह रहे थे। उन्हें नशा मुक्ति केंद्र के लोगों ने अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मौत के कारण स्पष्ट न होने के चलते पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता चलेगा। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों ने नशा मुक्ति केंद्र के लोगों पर कुछ आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में डिलीवरी ब्वॉय की मौत

नोएडा। थाना बादलपुर क्षेत्र में मंगलवार की देर रात को एक अज्ञात वाहन ने एक डिलीवरी ब्वॉय को टक्कर मार दिया। वह बेहोश कर सड़क पर गिर पड़ा। बारिश और अंधेरा होने के चलते किसी ने घटना की तरफ ध्यान नहीं दिया। कई वाहन उसके ऊपर से गुजरते चले गए। बुधवार सुबह को उसकी मौत की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि 07 अप्रैल की देर रात को थाना बादलपुर क्षेत्र के धूम मानिकपुर अंडरपास के पास किसी अज्ञात वाहन द्वारा बंटी पुत्र सतपाल उम्र 25 वर्ष को टक्कर मार दिया गया। उन्होंने बताया कि वह घटना के समय बारिश हो रही थी, तथा काफी अंधेरा था। किसी ने इस दुर्घटना की तरफ ध्यान नहीं दिया। उन्होंने बताया कि आज सुबह को बंटी की मौत की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि परिजनों की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। दो टीमें गठित कर घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरे को चेक किया जा रहा है, तथा दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन की तलाश की जा रही है। मृतक के परिजनों के अनुसार जब बंटी देर रात तक घर नहीं पहुंचा तो उन्होंने उसे ढूंढना शुरू किया। सुबह उसकी मौत की सूचना मिली। परिजनों के अनुसार उसके ऊपर से कई वाहन गुजर गए हैं। जिसकी वजह से उसका शव क्षत-विक्षत हो गया है। पुलिस सभी पहलुओं के ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस मुठभेड़ के दौरान 25 हजार रुपये का इनामी गौ तस्कर गिरफ्तार, पैर मे लगी गोली

नोएडा। रबूपुरा थाने की पुलिस ने बुधवार तड़के मुठभेड़ के दौरान 25 हजार रुपये के इनामी गौ तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। आरोपी की पहचान हरियाणा के पलवल के निवासी संजू (32) के रूप में हुई है।

पुलिस उपायुक्त (जोन-3) डॉक्टर प्रवीन रंजन सिंह ने बताया कि रबूपुरा पुलिस मंगलवार तड़के कार्गो टी पॉइंट के पास जांच कर रही थी, तभी मोटरसाइकिल पर सवार एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि शक होने पर पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह मोटरसाइकिल मोड़कर भागने लगा। सिंह ने बताया कि पुलिस ने उसे पीछा करके घेर लिया और इस दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मियों पर गोली चला दी। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई के तहत गोली चलाई, जो उसके पैर में लगी। उन्होंने बताया कि घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, उसके पास से पुलिस ने एक देसी तमंचा, कारतूस, बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी गोकशी के कई मामलों में शामिल था और रबूपुरा पुलिस ने उसपर 25,000 रुपये का इनाम घोषित था।

उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने वासुदेव घाट व यमुना बाजार घाट का किया निरीक्षण

यमुना पुनर्जीवन और तटीय विकास कार्यों की समीक्षा की

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार कश्मीरी गेट के सामने स्थित वासुदेव घाट तथा हनुमान मंदिर के सामने स्थित यमुना बाजार घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान घाटों की स्वच्छता व्यवस्था, आधारभूत ढांचे के विकास तथा यमुना पुनर्जीवन से जुड़े चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य यमुना रिवरफ्रंट विकास की प्रगति की समीक्षा करना और आगामी मानसून व ग्रीष्मकालीन चुनौतियों के लिए विभागों की तैयारियों का जायजा लेना था। दोनों स्थलों का निरीक्षण करने के बाद उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने वासुदेव घाट, जिसे दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा विकसित किया गया है और यमुना बाजार घाट के बीच के स्पष्ट अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि वासुदेव घाट, असिता, बनसेरा और यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क जैसे विकसित घाट अब पर्यावरण-अनुकूल, सतत और हरित सार्वजनिक स्थलों के रूप में उभर चुके हैं। वहीं, कई अन्य घाटों को भी डीडीए द्वारा अन्य विभागों/एजेंसियों के सहयोग से इसी प्रकार विकसित किए जाने की आवश्यकता है।

निरीक्षण के दौरान उपराज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने यमुना के किनारे विकसित किए जा रहे घाटों, हरित क्षेत्रों, वॉकिंग ट्रेल्स, जैव-विविधता क्षेत्रों तथा सफाई कार्यों में लगी आधुनिक मशीनरी का अवलोकन किया। उन्होंने नदी तटों पर किए जा रहे ग्रीनवे विकास, कच्चे वॉकिंग एवं साइक्लिंग ट्रैक, नदी किनारे पौधारोपण, वेटलैंड्स के पुनर्स्थापन और प्राकृतिक जलधाराओं के संरक्षण जैसे कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा यमुना फ्लडप्लेन पुनर्स्थापन परियोजनाओं की विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई, जिसमें वजीराबाद से ओखला तक फैले क्षेत्र में विभिन्न चरणों में किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी साझा की गई। साथ ही यमुना नदी के किनारों को पारिस्थितिक रूप से पुनर्जीवित करने, जैव-विविधता को बढ़ावा देने, प्रदूषण को कम करने जैसे कार्यों की जानकारी भी साझा की गई। उपराज्यपाल ने बताया कि यह निरीक्षण पिछले एक महीने के दौरान नागरिकों के साथ हुए 'औचक संवाद' का परिणाम है। दिल्लीवासियों ने यमुना प्रदूषण, वायु प्रदूषण, मानसून में बाढ़ और गर्मियों में जल संकट जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने कहा कि हमारा शासन जनकेंद्रित है। नागरिकों के फीडबैक के आधार पर ही हम पल्ला से कालिंदी कुंज तक के संपूर्ण बाढ़ क्षेत्र के समयबद्ध पुनर्जीवन की दिशा में बढ़ रहे हैं।

निरीक्षण के बाद उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, डीपीसीसी और एमसीडी सहित सभी संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विभागों को एक विस्तृत प्रस्तुति तैयार करने को कहा गया है, जिसमें स्पष्ट लक्ष्य और उनके कार्यान्वयन की समय-सीमा तय होगी। उपराज्यपाल द्वारा यमुना और वायु प्रदूषण के समाधान को 'समझौता न करने वाली प्राथमिकता' बताते हुए इसे मिशन मोड में चलाने का आदेश दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार पहले दिन से ही यमुना की स्वच्छता और पुनर्जीवन के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का संकल्प एक स्वच्छ, सुंदर और हरित दिल्ली का निर्माण करना है, जिसमें यमुना नदी की पुनर्स्थापना एक प्रमुख प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2026-27 के बजट का उल्लेख करते हुए बताया कि दिल्ली सरकार का 22,236 करोड़ का रुपये 'ग्रीन बजट' कुल बजट का लगभग 21.44 प्रतिशत है, जो प्रत्यक्ष रूप से पर्यावरणीय योजनाओं, विशेषकर यमुना सफाई से संबंधित पहलों के लिए निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि मां यमुना की स्वच्छता केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि सरकार का दृढ़ संकल्प है। इसी उद्देश्य से दिल्ली जल बोर्ड को ग्रीन बजट का सबसे बड़ा हिस्सा आवंटित किया गया है, ताकि सीवेज ट्रीटमेंट और डी-सिल्टिंग से संबंधित कार्यों में किसी प्रकार की वित्तीय बाधा उत्पन्न न हो। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नदी की वॉटर होल्डिंग क्षमता बढ़ाने के लिए बाढ़ क्षेत्र से अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए। इसके साथ ही, तीन-स्तरीय एजेंडा के अंतर्गत डी-सिल्टिंग, जल प्रवाह को सुचारु बनाना तथा जलभराव वाले हॉटस्पॉट्स का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने वजीराबाद से ओखला तक चल रहे फ्लडप्लेन रेस्टोरेशन के कार्यों का अवलोकन किया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि यमुना तटों पर ग्रीनवे विकास, वेटलैंड्स संरक्षण और जैव-विविधता पार्कों के निर्माण में तेजी लाई जाए, नदी के किनारे कच्चे वॉकिंग और साइक्लिंग ट्रैक्स को इस तरह विकसित किया जाए कि नदी का प्राकृतिक स्वरूप सुरक्षित रहे, साथ ही घाटों को अलग-अलग टुकड़ों के बजाय एक 'कंटीन्यूअस स्ट्रेच' के रूप में जोड़कर विकसित किया जाए। निरीक्षण के अंत में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवेज नियंत्रण और अवैध कचरा निस्तारण पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए।

मुख्यमंत्री ने व्यापार एवं कर विभाग कार्यालय का औचक निरीक्षण किया

नई दिल्ली। रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय के पास स्थित जीएसटी कार्यालय का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोल दी। बिना पूर्व सूचना के पहुंचे इस निरीक्षण में कई अधिकारी निर्धारित समय तक अनुपस्थित मिले, जिस पर मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अपनाते हुए जवाब-तलब किया और अनुशासनहीनता पर सख्त कार्रवाई के संकेत दिए।

मुख्यमंत्री सुबह लगभग 11 बजे जीएसटी भवन पहुंचीं और सीधे विभिन्न वार्डों तथा अधिकारियों के कक्षों का निरीक्षण किया। इस दौरान कई महत्वपूर्ण अनुभागों में सन्नाटा पसरा मिला और अधिकारियों की कुर्सियां खाली पाई गईं। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों से अनुपस्थित अधिकारियों के बारे में जानकारी ली, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता के कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कार्यालय की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। गलियारों में बिखरी पुरानी फाइलें और अव्यवस्थित ढांचा देखकर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने दोहराया कि सरकार 'शून्य सहनशीलता' की नीति पर काम कर रही है और ड्यूटी में लापरवाही करने वालों के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि पिछले कुछ महीनों की जैवमेट्रिक और मैनुअल उपस्थिति रिपोर्ट तत्काल उनके कार्यालय को भेजी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना उचित कारण अनुपस्थित पाए जाने वाले अधिकारियों के वेतन में कटौती की जाएगी और सेवा नियमावली के तहत कार्रवाई शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में समय की पाबंदी अत्यंत आवश्यक है। यदि अधिकारी ही समय पर उपस्थित नहीं होंगे, तो आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्रभावित होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, यह निरीक्षण केवल अनुशासन तक सीमित नहीं था। विभाग में भ्रष्टाचार और फाइलों के लंबित रहने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। माना जा रहा है कि इस निरीक्षण के आधार पर आने वाले दिनों में विभाग में बड़े स्तर पर बदलाव किए जा सकते हैं और कुछ अधिकारियों के खिलाफ निलंबन जैसी कार्रवाई भी संभव है। इस औचक निरीक्षण के बाद अन्य सरकारी विभागों में भी हलचल तेज हो गई है।

पूर्वी जिले में 'प्रहरी बैठक' का आयोजन, 100 सुरक्षा गार्ड्स को दी गई सुरक्षा की ट्रेनिंग

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। पूर्वी जिला पुलिस ने सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए 'प्रहरी योजना' के तहत प्रहरी बैठक और सुरक्षा गार्ड ब्रीफिंग का आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्रीत विहार थाना क्षेत्र स्थित स्वास्थ्य विहार क्लब में आयोजित किया गया, जिसमें करीब 100 सुरक्षा गार्ड्स ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम का आयोजन पूर्वी जिले के डीसीपी राजीव कुमार और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त 1 श्रीस्ती पांडे के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा गार्ड्स को उनकी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें सतर्कता और अनुशासन का महत्व समझाया। सुरक्षा से जुड़े अहम बिंदुओं पर प्रशिक्षण बैठक के दौरान गार्ड्स को संदिग्ध गतिविधियों की पहचान, बिना निगरानी छोड़ी गई वस्तुओं पर नजर रखने, विजिटर रिकॉर्ड सही तरीके से बनाए रखने और पहचान सत्यापन पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, अनधिकृत प्रवेश रोकने, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, ब्लाइंड स्पॉट की पहचान और समय पर सूचना देने के तरीकों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई।

इमरजेंसी में क्या करें, क्या न करें

सुरक्षा गार्ड्स को ड्यूटी के दौरान 'क्या करें और क्या न करें' के बारे में भी बताया गया। आग लगने, मेडिकल इमरजेंसी या किसी अपराध की स्थिति में तुरंत 112 नंबर और स्थानीय पुलिस से संपर्क करने के निर्देश दिए गए। रात के समय गश्त, रिकॉर्ड मेंटेनेंस और आपसी समन्वय को भी मजबूत करने पर जोर दिया गया।

प्रहरी योजना से बढ़ेगी सुरक्षा

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 'प्रहरी योजना' के जरिए निजी सुरक्षा गार्ड्स को पुलिस तंत्र से जोड़ा जा रहा है, जिससे सूचना का आदान-प्रदान तेज होगा और अपराधों की रोकथाम में मदद मिलेगी। गार्ड्स को समाज की पहली सुरक्षा पंक्ति बताते हुए उनकी भूमिका को बेहद अहम बताया गया। पुलिस का कहना है कि इस तरह के कार्यक्रमों के जरिए जमीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिससे इलाके में सुरक्षित और सतर्क माहौल बनाया जा सके।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़: 'बजाज फिनसर्व' बनकर देशभर में ठगी, 19 गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। बाहरी जिला पुलिस की साइबर टीम और एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड ने संयुक्त कार्रवाई में पीतमपुरा इलाके में चल रहे एक बड़े फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह खुद को बजाज फिनसर्व का प्रतिनिधि बताकर देशभर में लोगों से लोन दिलाने के नाम पर ठगी कर रहा था। पुलिस ने मौके से 19 आरोपियों (जिनमें 12 महिलाएं शामिल हैं) को गिरफ्तार किया है। बाहरी जिले के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि 7 अप्रैल को मिली सूचना के आधार पर टीम ने छापा मारा, जहां आरोपी मोबाइल फोन के जरिए लोगों को कॉल कर लोन और बीमा दिलाने का झांसा दे रहे थे। गिरोह पीड़ितों से 1500 से 2000 रुपए तक की प्रोसेसिंग फीस QR कोड के जरिए वसूलते थे, लेकिन पैसे मिलने के बाद न तो लोन देता था और न ही रकम वापस करता था। जांच में सामने आया कि आरोपी व्हाट्सऐप के जरिए QR कोड भेजते थे और बार-बार सिम कार्ड बदलकर पीड़ितों से संपर्क तोड़ देते थे। कॉल सेंटर में एक तय स्क्रिप्ट के जरिए "नमस्कार सर" बोलकर बातचीत शुरू की जाती थी और फिर आधार व पैन कार्ड की डिटेल्स मांगकर लोगों को फंसाया जाता था। छापे के दौरान पुलिस को एक ही जगह पर दूसरा कॉल सेंटर भी संचालित होता मिला, जो अलग टीम के जरिए इसी तरह की ठगी को अंजाम दे रहा था। दोनों गिरोहों के मास्टरमाइंड अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 36 मोबाइल फोन (कीपैड और स्मार्टफोन) और कई रजिस्टर बरामद किए हैं, जिनमें संभावित शिकारों का डेटा दर्ज था। इस मामले में साइबर पुलिस स्टेशन में (BNS) की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। विक्रम सिंह ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। किसी भी अनजान लिंक, खासकर APK फाइल, पर क्लिक न करें और फोन या मैसेज के जरिए अपनी बैंकिंग या KYC जानकारी साझा न करें। अगर किसी तरह की साइबर ठगी का शक हो, तो तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

डिजिटल अरेस्ट ठगी का बड़ा नेटवर्क बेनकाब, 3.3 करोड़ के म्यूल अकाउंट का खुलासा, 2 गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिला साइबर पुलिस ने "डिजिटल अरेस्ट" साइबर ठगी से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए ₹3.3 करोड़ के म्यूल बैंक अकाउंट का खुलासा किया है। इस मामले में दो आरोपियों को पकड़ा गया है, जिनमें से एक को गिरफ्तार किया गया है।यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस के विशेष अभियान ऑपरेशन Cy-Hawk 4.0 के तहत की गई, जिसका मकसद संगठित साइबर अपराध गिरोहों पर नकेल कसना है।नई दिल्ली जिले के डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि एनसीआरपी पोर्टल पर मिली शिकायतों की जांच के दौरान एक ICICI बैंक खाते में संदिग्ध लेन-देन सामने आया। जांच में पता चला कि यह खाता "डिजिटल अरेस्ट" फ्रॉड के जरिए ठगे गए पैसों को जमा और ट्रांसफर करने के लिए इस्तेमाल हो रहा था। यह खाता "Saleem Javed Rule The Rolls Since 1960" नाम की कंपनी के नाम पर रजिस्टर्ड था, जो खान मार्केट स्थित मशहूर "Khan Chacha" ब्रांड से जुड़ा है। इस खाते से 21 शिकायतें जुड़ी थीं और कुल ठगी की रकम करीब 3.3 करोड़ रुपए थी।जांच में सामने आया कि आरोपियों ने अपने रेस्टोरेंट बिजनेस के नाम पर बैंक खाता खुलवाया था, लेकिन आर्थिक तंगी के चलते उन्होंने इसे कमीशन पर साइबर ठगों को इस्तेमाल करने दिया। आरोपियों को 2-3% कमीशन का लालच दिया गया, जिसके बदले उन्होंने बैंक खाते की पूरी जानकारी ठगों को दे दी। इस खाते में करीब 54 लाख रुपए की रकम आई, जिसे बाद में अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिया गया।पुलिस ने यह भी पाया कि आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए चैट्स डिलीट कर दी थीं, लेकिन डिजिटल जांच में अहम साक्ष्य बरामद कर लिए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद जावेद (49 वर्ष), सैनीक फार्म और मोहम्मद सलीम (49 वर्ष)के तौर पर हुई है। इनके कब्जे से 2 मोबाइल फोन, 2 सिम कार्ड बरामद किया है।पुलिस ने मुख्य आरोपी को रिमांड पर लेकर गिरोह के अन्य सदस्यों–हरविंदर कोहली, नसीम और संदीप द्विवेदी–की तलाश तेज कर दी है। साथ ही, मामले की जानकारी I4C के साथ साझा कर देशभर में जुड़े मामलों की जांच की जा रही है। नई दिल्ली पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी लालच में आकर अपना बैंक खाता, एटीएम कार्ड, OTP या इंटरनेट बैंकिंग डिटेल किसी के साथ साझा न करें। ऐसा करने पर वे भी कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं।

ऑपरेशन 'साइहॉक': साइबर ठगों पर दिल्ली पुलिस का सबसे बड़ा शिकंजा, 519 करोड़ के फ्रॉड नेटवर्क की कमर टूटी

8 हजार से ज्यादा संदिग्धों की धरपकड़, 1400 से अधिक आरोपी गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राजधानी में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध पर बड़ा प्रहार करते हुए दिल्ली पुलिस ने "ऑपरेशन साइबरहॉक" के तहत अब तक की सबसे व्यापक और संगठित कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस अभियान में देशभर में फैले साइबर फ्रॉड नेटवर्क की आर्थिक और ऑपरेशनल रीढ़ को तोड़ने का दावा किया गया है।दिल्ली पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान रजनीश गुप्ता ज्वाइंट सीपी IFSO और विजय कुमार ज्वाइंट सीपी साउथन रेंज ने बताया कि यह ऑपरेशन दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलछा के नेतृत्व में चलाया गया, जिसका उद्देश्य साइबर अपराधियों के पूरे इकोसिस्टम–म्यूल अकाउंट, फर्जी कॉल सेंटर और पैसे के ट्रांजेक्शन चैनल–को जड़ से खत्म करना था। करीब एक महीने की खुफिया तैयारी और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) के सहयोग से दिल्ली के कई जिलों में एक साथ छापेमारी की गई।

लोगों के लिए एडवाइजरी

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है:

- बैंक डिटेल, OTP, CVV किसी से साझा न करें
- फर्जी जॉब और निवेश ऑफर से सावधान रहें
- केवल आधिकारिक वेबसाइट से ही कस्टमर केयर नंबर लें
- किसी के कहने पर स्क्रीन शेयरिंग ऐप इंस्टॉल न करें
- 2-फैक्टर ऑथेंटिकेशन जरूर चालू रखें

निष्कर्ष:

ऑपरेशन "साइहॉक" ने यह दिखा दिया है कि डेटा-ड्रिवन और टेक्नोलॉजी आधारित पुलिसिंग के जरिए बड़े से बड़े साइबर नेटवर्क को भी ध्वस्त किया जा सकता है। आने वाले दिनों में इस कार्रवाई के और बड़े खुलासे होने की उम्मीद है।

क्या रहे ऑपरेशन के बड़े नतीजे

- 8371 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ
- 1400 से ज्यादा आरोपियों की गिरफ्तारी/बाउंड डाउन
- 2203 लोगों को नोटिस जारी
- 499 नए FIR दर्ज
- 324 पुराने मामलों में भी आरोपियों की गिरफ्तारी
- 3564 NCRP शिकायतों को म्यूल अकाउंट्स से जोड़ा गया
- ₹519 करोड़ से अधिक की ठगी का लिंक सामने आया

कैसे काम करते थे साइबर ठग

जांच में सामने आया कि ये गिरोह फर्जी कॉल सेंटर, जॉब ऑफर, टेक सपोर्ट, कस्टमर केयर और "डिजिटल अरेस्ट" जैसे तरीकों से लोगों को फंसाते थे। इसके बाद म्यूल अकाउंट्स के जरिए पैसे को अलग-अलग खातों में घुमा दिया जाता था, जिससे ट्रैक करना मुश्किल हो जाता था।

क्या-क्या बरामद हुआ

छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में मोबाइल फोन, लैपटॉप, हार्ड डिस्क, सिम कार्ड, डेबिट/क्रेडिट कार्ड और वित्तीय रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। इन डिजिटल सबूतों की फॉरेंसिक जांच जारी है, जिससे और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

पुलिस का बयान

ज्वाइंट सीपी रजनीश गुप्ता ने कहा कि यह ऑपरेशन साइबर अपराध के खिलाफ "निर्णायक वार" है और इससे साफ संदेश जाता है कि डिजिटल ठगी करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

शिकायत कहां करें

साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें या National Cyber Crime Reporting Portal पर शिकायत दर्ज करें। नजदीकी पुलिस स्टेशन में भी संपर्क किया जा सकता है।

संपादकीय

सीजफायर ,स्थाई शांति अभी दूर

खाड़ी क्षेत्र में लंबे समय से जारी अमेरिका इजराइल-ईरान तनाव के बीच राहत की खबर सुनने को बुधवार को मिली। अमेरिका ईरान दोनों ने चौदह दिनों के सीजफायर पर सहमति जताई है। इसकी वजह से फिलहाल हमले रुकने की उम्मीद बढ़ी है। दोनों देशा के बीच समझौते के तहत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने और आगे की बातचीत शुरू करने का रास्ता निकाला गया है। हालांकि सीजफायर की टेबल पर दोनों देश आ एग हो,लेकिन अभी जमीनी हकीकत पूरी तरह सामान्य दिखाई नहीं देती। बुधवार को हुआ सीजफायर फिलहाल कागजों तक ही सीमित है। प्रभावित खाड़ी देशों और इजरायल में मिसाइल हमलों के अलर्ट अभी भी लगातार जारी हैं। यूएई, सऊदी अरब, कुवैत और बहरीन जैसे देश अपने एयर डिफेंस सिस्टम को मुश्तैद किया हुआ है। यह स्थिति बताती है कि क्षेत्र में खतरा अभी पूरी तरह टला नहीं है और स्थिति नाजुक बनी हुई है। इजराइल और ईरान के बीच आपसी हमले भी पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। दोनों ओर से जवाबी कार्रवाई जारी रहने की खबरें भी लगातार सामने आ रही हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि सीजफायर को पूरी तरह लागू होने में कुछ समय लग सकता है। यहां गौरतलब है कि इस पूरी लड़ाई का सबसे बड़ा केंद्र स्ट्रेट ऑफ होर्मुज रहा है। दुनिया के बीस प्रतिशत हिस्से में तेल और गैस की सप्लाई इसी रास्ते से होती है। ईरान ने इस जलमार्ग पर अपना नियंत्रण बढ़ा दिया था, जिसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ रहा है। इसी दबाव के चलते अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने सीजफायर की दिशा में अपना कदम बढ़ाया। सीजफायर के तहत दो हफ्तों के लिए इस स्ट्रेट को खोलने पर सहमति बनी है। हालांकि यह पूरी तरह खुला रहेगा या सीमित क्षेत्र में, यह भी स्पष्ट नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध के बीच बढ़ते आर्थिक दबाव ने अमेरिका को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। इससे पहले भी ट्रंप ने ईरान को कई बार युद्ध की चेतावनी दी थी। टकाराव के बाद आखिर में ट्रंप को नरम रुख अपनाना पड़ा। विश्व के कई देशों ने सीजफायर का स्वागत किया है। मिस्त्र और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने इसे शांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है और बातचीत को आगे बढ़ाने पर जोर दिया है। सीजफायर लागू होने के बावजदू कई बड़े मुद्दे अब भी सुलझे नहीं हैं। ईरान ने कुछ विशेष शर्तें रखी हैं, जिनमें अमेरिकी सेना की वापसी, प्रतिबंध हटाना और अपने फंसे हुए संसाधनों की वापसी शामिल है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर भी कुछ स्पष्ट नही है। जो इस पूरे संघर्ष की एक बड़ी वजह रहा है। अमेरिका और इजरायल इस कार्यक्रम को खत्म करने की मांग करते रहे हैं। फिलहाल यह सीजफाय अस्थायी राहत लेकर आया है।

चार दिन पहले आकाशवाणी का 89वाँ स्थापना वर्ष मनाया गया था। उसमें पद्म पुरस्कार प्राप्त लोगों को सम्मानित किया गया था। आकाशवाणी के वरिष्ठ महानुभाव भी सम्मानित किए गए थे। पद्मश्री में मेरा भी नाम था। योगी जी ने उस कार्यक्रम में मेरी दिनचर्या पर चर्चा की। उन्होंने कुछ पुरानी बातें खोलीं और याद कराया कि हमारी दिनचर्या अनुशासित नहीं थी। उन्होंने मुझे याद कराया की देर रात तक जागना स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं होता। मैंने उनसे बताया कि दिनभर राजनीतिक कारणों से व्यस्तता रहती है और रात में लिखने-पढ़ने का समय मिलता है। उन्होंने हंसते हुए कहा था कि यही दिनचर्या उलट दी जाए और सुबह जल्दी उठा जाए और रात्रि में जल्दी सोया जाए। इन्हीं पुरानी बातों को उन्होंने आकाशवाणी के कार्यक्रम में फिर से दोहराया। दिनचर्या व्यक्तित्व का आधार है। दिनचर्या का अनुशासन प्रायः हमारा निर्णय होता है। इसमें थोड़ी-सी चूक भी क्षतिकारी होती है। दिनचर्या पर देशकाल का भी प्रभाव पड़ता है। ठंडी जलवायु वाले देशों में शरीर के ताप को विशेष स्तर पर बनाए रखने की आवश्यकता होती है।

अनुशासन से बनाएं बेहतर स्वास्थ्य

हृदयनारायण दीक्षित

अनुशासनविहीन जीवन में स्वस्ति और लोकमंगल नहीं होते। प्रकृति स्वयं अनुशासन में गतिशील है। मनुष्य के लिए इसी अनुशासन का पालन उपयोगी दिनचर्या है। इसका सम्बंध स्वस्थ मन से है। स्वस्थ बुद्धि से है और निर्मल आत्मा से भी है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मस्त व्यक्तित्व के धनी हैं। उच्च कोटि के संसद विज्ञ, 5 बार के सांसद व दूसरी बार मुख्यमंत्री हैं। व्यवहार में अनुशासित अखिल भारतीय स्तर पर चर्चित जनप्रिय राजनेता हैं। योगी हैं। सो, अनुशासन में रहते हैं। और अपने परिचितों से भी अनुशासित रहने की अपेक्षा करते हैं। वे हमारे प्रति शुभेक्षु हैं। हमलोग भिन्न-भिन्न विषयों पर चर्चा करते रहे हैं। वे योग विज्ञानी भी हैं। योग का हमारा ज्ञान किताबी है, लेकिन उनका ज्ञान अनुभव अनुभूति और व्यवहारिक जीवन से भरा पूरा है।

चार दिन पहले आकाशवाणी का 89वाँ स्थापना वर्ष मनाया गया था। उसमें पद्म पुरस्कार प्राप्त लोगों को सम्मानित किया गया था। आकाशवाणी के वरिष्ठ महानुभाव भी सम्मानित किए गए थे। पद्मश्री में मेरा भी नाम था। योगी जी ने उस कार्यक्रम में मेरी दिनचर्या पर चर्चा की। उन्होंने कुछ पुरानी बातें खोलीं और याद कराया कि हमारी दिनचर्या अनुशासित नहीं थी। उन्होंने मुझे याद कराया की देर रात तक जागना स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं होता। मैंने उनसे बताया कि दिनभर राजनीतिक कारणों से व्यस्तता रहती है और रात में लिखने-पढ़ने का समय मिलता है। उन्होंने हंसते हुए कहा था कि यही दिनचर्या उलट दी जाए और सुबह जल्दी उठा जाए और रात्रि में जल्दी सोया जाए। इन्हीं पुरानी बातों को उन्होंने आकाशवाणी के कार्यक्रम में फिर से दोहराया। दिनचर्या व्यक्तित्व का आधार है। दिनचर्या का अनुशासन प्रायः हमारा निर्णय होता है। इसमें थोड़ी-सी चूक भी क्षतिकारी होती है। दिनचर्या पर देशकाल का भी प्रभाव पड़ता है। ठंडी जलवायु वाले देशों में शरीर के ताप को विशेष स्तर पर बनाए रखने की आवश्यकता होती है। ऐसे देशों में अधिक ऊष्मा देने वाली दिनचर्या चलती है। आदर्श दिनचर्या पर प्राचीन भारत में अच्छा और परिश्रम हुआ है। अच्छी दिनचर्या में अच्छी नींद, अच्छा जागरण और अच्छे आहार की आवश्यकता होती है। उसे कालखंड में अन्न की विशेष महत्ता पर जोर दिया गया है। अन्य भौतिक पदार्थ है। प्राचीन अनुभूति में वह दिव्य है। तैत्तरीय उपनिषद के एक सुंदर मंत्र में कहते हैं, "यह व्रत संकल्प है कि अन्न की निंदा न करें। अन्न ही प्राण है। प्राण ही अन्न है। शरीर भी अन्न है। शरीर और प्राण का अंतरसंबंध है। अन्न ही अन्न में प्रतिष्ठित है। जो यह जान लेता है उसकी दिनचर्या आदर्श हो जाती है।"

उपनिषद में कहते हैं कि, "आहार का अर्थ अन्न है।" आहार साधारण खाद्य वस्तु नहीं है। आहार का सम्बंध अनुशासित दिनचर्या से भी है। व्यापक अर्थों में अनुशासित दिनचर्या के पांच द्वार हैं। देखना भी एक आहार है। देखे गए दृश्य चित्र को प्रसन्न या अप्रसन्न करते हैं। सुंदर दर्शन में मन प्रसन्न होता है। अभद्र दर्शन में मन अप्रसन्न होता है। इसलिए देखने में भी संयम की आवश्यकता है। पढ़ना भी एक आहार है। अनुशासित दिनचर्या वाला ज्ञानवर्धक अध्ययन मन स्वस्थ रखता है। निराश करने वाली सूचनाएं कष्ट पहुंचाती हैं। इस समय आधी दुनिया युद्ध में है। समाचार माध्यमों में धुआं ही धुआं है। बारूदी वातावरण है। यह निराश करता है। गंध भी आहार है। किसी बाग या उपवन में गंधमादन हवा आती है। चित्त गंधमादन हो जाता है। ज्ञानवर्धन सुना या रुचिपूर्ण सुनना, गीत सुनना काव्य सुनना, नदी के पास खड़े होकर नाद सुनना आनंददायक है। दुनिया का सारा ज्ञान देखने और सुनने से प्रकट हुआ है। वैदिक साहित्य सुना हुआ है। स्पर्श भी आहार है। किसी प्रियजन का स्पर्श आनंददाई है। दृश्य, श्रव्य, नाक, स्पर्श और रसना 5 द्वार हैं। इनसे हम कुछ न कुछ लिया करते हैं। जीवनचर्या के अनुशासन में इन पांचों द्वारों की भूमिका है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में 10 दिशाएं हैं। काल गणना भी है। वासना भी जन्म और जीवन के साथ आई है। वासना का अनुशासन प्रार्थना है। जीवन ऊर्जा का अधोगामी प्रवाह वासना है। वासना भी एक दिशा है लेकिन इसका कार्यव्यवहार दुखदायी है। लोकमंगल के विपरीत भी है। जीवन ऊर्जा की दूसरी दिशा प्रार्थना है। वासना और प्रार्थना दोनों में ही हमारी चेतन ऊर्जा ही मुख्य कारक है। दोनों में स्वयं के प्रति आस्तिकता है। लेकिन प्रार्थना में प्रार्थना के प्रति गजब का विश्वास है। ऋग्वेद में प्रार्थना है-हे देवो! हमारा मन शुभ करो। यजुर्वेद में प्रार्थना है- तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु-हमारे मन को कल्याणकारी संकल्प से भरो। विरोधाभास ध्यान देने योग्य है। मन हमारा है, इसे शुभ या शिव बनाने की प्रार्थना हम दूसरे से क्यों करते हैं? प्रार्थना का अन्तर्भूत तत्त्व ऐसा नहीं है। कोई देवता प्रार्थना सुनकर हमारा मन ठीक करे या न करे लेकिन चित्त से उगी प्रार्थना हमारे चित्त के अणु-परमाणु को शिव तत्त्व से भर देती है। मैंने हजारों निबन्ध लिखे हैं। कोई पूछे कि इन सबका आधारभूत तत्त्व क्या है? मैं उत्तर देता हूँ कि हमारा लेखन, भाषण और समूचा राजनैतिक कार्य व्यवहार प्रार्थना ही है। सिर्फ प्रार्थना ही। प्रार्थना है कि हिंसा से भरे स्वजन संवेदनशील हों। पतंजलि का योग 'चित्तवृत्ति निरोध' है। श्रीकृष्ण का योग 'मनोनिग्रह' है। दोनों का मन्तव्य एक है। श्रीकृष्ण 'अभ्यास और वैराग्य' का मन्त्र देते हैं। पतंजलि की भाषा भी वही है "अभ्यास वैराग्याभ्यां तन्निरोधः-अभ्यास और वैराग्य से इन वृत्तियों का नियंत्रण संभव है।" (पतंजलियोगसूत्र 1.12) वे आगे अभ्यास की परिभाषा बताते हैं "इन दो (अभ्यास, वैराग्य) में अभ्यास स्वयं में दृढ़ता से प्रतिष्ठित होने का प्रयास है-तत्रस्थितौ यत्नो अभ्यासः।" (वही 13) अभ्यास का संकल्प महत्वपूर्ण है। अभ्यास स्वयं के प्रति सजग चेष्टा है, वैराग्य इच्छा शून्यता है।

अभ्यास और वैराग्य चित्त को संयत करते हैं। योगासन और ध्यान इसी के उपकरण हैं। व्यक्तित्व की पूरी ऊर्जा को एकाग्र करने का नाम अभ्यास है। फिर वैराग्य बताते हैं, "ऐन्द्रिक सुखों की तृष्णा में सजग प्रयास से भोग आसक्ति के प्रति वितृष्णा वैराग्य की प्रथम अवस्था है, पुरूष के अंतरतम का बोध होने पर सभी इच्छाओं का विलीनीकरण वैराग्य की पूर्णता है।" (वही 15 व 16) श्रीकृष्ण ने कहा, "असंयत के लिये योग कठिन है, लेकिन संयत व्यक्ति संकल्पबद्ध होकर योगलब्ध हो जाता है।" (गीता 6.36)

पतंजलि योग सूत्र में दर्शन के आत्मिक अनुभव में मन की चंचलता बाधा है। बाधाएं और भी हैं। पतंजलि ने योग सूत्र (30) में बताया है कि "रोग, प्राणहीनता, संशय, प्रमाद, आलस्य, आसक्ति, भ्रान्ति और अस्थिरता बाधाएं हैं। दुख, निराशा, कपकपी और अनियमित श्वसन लक्षण हैं।" यहां 'रोग' ध्यान देने योग्य हैं। पतंजलि वैद्य या चिकित्सक नहीं थे। चरक संहिता आयुर्विज्ञान का प्रख्यात ग्रंथ है। बताते हैं-"बिना रोग का होना सुख है और रोग दुख है।" आगे स्वास्थ्य के बारे कहते हैं "जब मन और बुद्धि का समान योग रहता है तब मनुष्य स्वस्थ रहता है जब इनका अतियोग, अयोग और मिथ्या योग होता है तब रोग।" रोग मन और बुद्धि के अतियोग, अयोग और मिथ्यायोग के परिणामी है। योग परम स्वास्थ्य है। प्राण और शरीर का योग जीवन है। प्राण का कम होना जीवनी शक्ति का घटना है। आलस्य प्राण शक्ति घटाता है, आसक्ति बढ़ाता है। पतंजलि ने मनुष्य का रहस्यपूर्ण विवेचन किया है। शरीर, मन, बुद्धि और आत्म से स्वस्थ व्यक्ति हिंसक नहीं हो सकता। आनंदित व्यक्ति सृजन करता है और तनावग्रस्त व्यक्ति ध्वंस। योग तनावग्रस्त विश्वमानवता को भारत का प्रशांत उपहार है। लेकिन योग का विज्ञान पढ़ने से ही समझ में नहीं आता। यह पठनीय कम करणीय ज्यादा है। लेकिन हमारी लत है कि पठन पाठन ही ज्यादा है, करणीय कम।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का अनर्गल प्रलाप

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा तथ्यों, नीतियों और विचारों से हटकर कटु, उग्र और विभाजनकारी भाषा में बदल जाए, तब समझ लीजिए वह लोकतंत्रीय चेतना को आहत करने लगी है। कहना होगा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा असम की एक चुनावी सभा में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को "जहरीला सांप" बताने वाला बयान इसी गिरते राजनीतिक स्तर का परिचायक है। यह टिप्पणी देखी जाए तो संपूर्ण लोकतांत्रिक मर्यादाओं और सामाजिक सौहार्द पर आज प्रश्नचिह्न खड़ा करती दिखती है।

असम के नीलांबाजार में दिए गए इस बयान में खड़गे ने धार्मिक संदर्भ का उपयोग करते हुए मुसलमानों से यहां तक कह दिया कि "कुरान में लिखा है कि नमाज पढ़ते समय अगर कोई जहरीला सांप दिख जाए तो उसे तुरंत मार देना चाहिए।" इसी तर्ज पर उन्होंने भाजपा-आरएसएस को "खत्म करने" की बात कही। बोले, "बीजेपी-आरएसएस वह जहरीला सांप है। अगर इन्हें नहीं मारा तो जान बचाना मुश्किल हो जाएगा।" यह भाषा राजनीतिक आलोचना कहीं से भी नहीं है बल्कि एक खतरनाक संकेत समाज में वैमनस्य फैलाने के संबंध में है। यदि इस पूरे विवाद को तथ्यों और जमीनी हकीकत के संदर्भ में देखा जाए, तब सच स्वयं में प्रकाशमान हो उठता है, समझ आता है कि कांग्रेस के रार्ष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का लगाया गया आरोप कितना विद्वेशपूर्ण और असत्य है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्सर अल्पसंख्यक खासकर (मुसलमान और ईसाई) विरोधी होने का आरोप लगाया जाता है, किंतु सरकारी योजनाओं और उनके लाभार्थियों के आंकड़े इस दावे को कमजोर करते हैं। वहीं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हर विपदा के दौरान एवं सहज स्थिति में समाज जीवन के हित जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, वे इस झूठ को सिरे से नकारने के लिए पर्याप्त हैं। पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं पर नजर डालें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि इनका लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2015 से 2024 के बीच लगभग 03 करोड़ से अधिक पक्के मकानों का निर्माण हुआ। विभिन्न राज्यों के आंकड़ों के अनुसार, इन लाभार्थियों में अल्पसंख्यक समुदाय की हिस्सेदारी कई स्थानों पर उनकी जनसंख्या के अनुपात से कहीं अधिक रही है। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कई जिलों में मुस्लिम लाभार्थियों की हिस्सेदारी 25 फीसद से 35 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई, जबकि उनकी जनसंख्या लगभग 18-20% के आसपास है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 9.6 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन वितरित किए गए। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इनमें बड़ी संख्या में मुस्लिम और अन्य अल्पसंख्यक महिलाओं को लाभ मिला। कई सामाजिक अध्ययनों में यह पाया गया कि ग्रामीण मुस्लिम परिवारों में उज्ज्वला योजना का प्रभाव विशेष रूप से सकारात्मक रहा, जिससे धुएं से होने वाली बीमारियों में कमी आई।

किसी को नहीं भूलना चाहिए कि स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना एक ऐतिहासिक पहल रही है। इस योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक लोगों को 05 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज दिया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब तक 06 करोड़ से अधिक अस्पताल उपचार इस योजना के तहत हो चुके हैं। इनमें अल्पसंख्यक समुदाय की भागीदारी उल्लेखनीय रही है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां आर्थिक रूप से पिछड़े मुस्लिम समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं। आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का प्रभाव भी उल्लेखनीय है। इस योजना के तहत अब तक 40 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से लगभग 60 फीसद लाभार्थी महिलाएं हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, मुस्लिम समुदाय के छोटे व्यापारियों और कारीगरों ने इस योजना का व्यापक लाभ उठाया है। कई राज्यों में मुद्रा लोन प्राप्त करने वालों में मुस्लिम उद्यमियों की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत तक पहुंची है।

शिक्षा के क्षेत्र में भी केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए चलाई जा रही छात्रवृत्ति योजनाएं उल्लेखनीय हैं। प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक और मेरिट-कम-मीन्स स्कॉलरशिप के तहत हर वर्ष लाखों छात्रों को सहायता दी जाती है। 2014 से 2023 के बीच 05 करोड़ से अधिक छात्रवृत्तियां वितरित की गईं, जिनमें बड़ी संख्या मुस्लिम छात्रों की रही है। इसके बाद के सालों में भी यही स्थिति देखने को मिलती है, वस्तुतः यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भाजपा सरकार की प्राथमिकता "समावेशी विकास" है, न कि "चयनात्मक लाभ" किसी को प्रदान करना है। अब एक सरल उदाहरण से भी इसे समझ लेते हैं, मान लीजिए किसी राज्य में मुस्लिम आबादी 20 प्रतिशत है, किंतु जब सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन आते हैं, तो उनमें से 30-40 प्रतिशत लाभार्थी मुस्लिम समुदाय से होते हैं। इसका कारण यह है कि ये योजनाएं धर्म के आधार पर नहीं, आर्थिक और सामाजिक जरूरत के आधार पर लागू की जाती हैं। यानी जो गरीब है, वंचित है, वही प्राथमिकता में आता है चाहे वह किसी भी धर्म-समुदाय का ही क्यों न हो। राज्य स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। असम में हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में चल रही योजनाओं में सभी समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था और योजनाओं के वितरण में पारदर्शिता आई है, जिससे सभी वर्गों को समान रूप से लाभ मिला है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड, दिल्ली, गुजरात, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र आज आप किसी भी भाजपा शासित राज्य के आंकड़ों को उठाकर देख कसते हैं। जनसंख्या के अनुपात में सबसे अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ उल्पसंख्यक विशेषकर मुसलमानों के द्वारा ही उठाया जा रहा है।

इसके विपरीत, कांग्रेस का राजनीतिक नैरेटिव लंबे समय से "भय" और "भ्रम" पर आधारित रहा है। अल्पसंख्यकों में उसके द्वारा खासतौर पर मुसलमानों और ईसाईयों के बीच यह संदेश देने की कोशिश की जाती रही है कि भाजपा और संघ उनके विरोधी हैं। किंतु जब वास्तविकता में योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचता है, तो यह नैरेटिव कमजोर पड़ता है। राजनीतिक विमर्श में भाषा की मर्यादा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। "जहरीला सांप" और "मार देना चाहिए" जैसे शब्द सीधे तौर पर उकसावे की श्रेणी में आते हैं। यह लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करते हैं और समाज में विभाजन को बढ़ावा देते हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में इस प्रकार की भाषा बोलना पूरी तरह से अनुचित और खतरनाक है।

ईश्वर नाम स्मरण ही जीवन का परम सुख

धर्मकर्म

सब दुःखों की जड़ देह है। उसमें भी यदि देह बीमार हुआ तो वह दुःख की हद होगी। नमक का खारापन, शकर की सफेदी, ये जैसे नमक और शक्कर से अलग नहीं होते वैसी ही बात देह और दुःख की जानो, यानी देह और दुःख अलग नहीं होते। देह मजबूत और ताकतवर होने पर भी दुःख भुला नहीं जाता। शरीर के लिए जैसी छाया है वैसे ही शरीर के लिए रोग है। रामकृष्ण आदि अवतार हो गए किन्तु वे भी अन्त में देह में नहीं रहे। अपना भी भरोसा नहीं है, यह हम जानते हैं फिर भी वियोग का असीम दुःख होता है। देह के अति दुःख के कारण चित्त स्थित और शांत नहीं रहता देह के भोग देह के ही माथे सौंपे। वे किसी को दिए नहीं जा सकते न किसी से लिए जा सकते हैं। आज तक हमने जो जो किया, सब गृहस्थी को अर्पण किया, उसमें अपने स्वार्थ नहीं छोड़ा। अधिकार, संतति, संपत्ति, लौकिक व्यवहार, जनप्रीति, इन सबका मूल स्वार्थ के सिवाय और कहीं नहीं है और इससे अन्त में दुःख ही होता है। जो जो भी प्रयत्न किया, उसी को हमने सुख का आधार, सुख का कोष समझा, कल्पना से सुख माना, लेकिन सुख हाथ नहीं आया। जिसका बहुत बड़ा काम कर दिया हो, उसके प्रति यदि थोड़ी भी गलती हो जाए तो वह तुरन्त गुर्राता है। लोग ऐसे स्वार्थी होते हैं, हम यह जानकर बरतें। हमारे अपने भीतर सुधार किए बिना हमें बाहर से सुख नहीं मिलेगा। समुद्र भूतल पर दूर-दूर तक फैला हुआ है, लेकिन कभी क्या ऐसा हुआ है कि किसी एक स्थान का पानी कम खारा है? उसी तरह संसार में कहीं भी जाओ सुख के बारे में अनुभव समान ही होगा। यानी सुख संसार पर नहीं, हमी पर निर्भर है और उसका उपाय यह है कि हम अपना ही सुधार करें। तो अब यह सुधार कैसे किया जाए? भगवान ने मनुष्य को भला-बुरा समझने की बुध्दि दी है जो अन्य प्राणियों को नहीं दी है। तो उस बुध्दि का पूरा-पूरा उपयोग करके हम बुरी बातें करने से बचें और अच्छी बातें करने का प्रयत्न करें। बुरी बातों से बचना हर आदमी के लिए संभव है क्योंकि उसमें कुछ न करना ही काम होता है और वह काम कृति करने की अपेक्षा हमेशा आसान होता है।

आज का इतिहास

1669 - मुगल बादशाह औरंगजेब ने सभी हिन्दू स्कूलों और मंदिरों को ध्वस्त करने का आदेश दिया।
1860 - पहली बार मनुष्य की आवाज का अंकन किया गया।
1965 - कच्छ के रन में भारत-पाक में युद्ध छिड़ा।
1988 - ली पेंग चीन के प्रधानमंत्री बने।
1998 - सऊदी अरब में मीना के पास भगदड़ में 150 से अधिक यात्रियों की मृत्यु।
1988 - अमेरिका ने पनामा पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए।
1989 - एशिया की पहली सम्पूर्ण भूमिगत संजय जलविद्युत परियोजना शुरू की गयी।
1999 - नाइजर के राष्ट्रपति इब्राहिम बारे मैनसारा की हत्या, खालसा पंथ की त्रिशती पर विशेष डाक टिकट जारी।
2001 - अमेरिकी एयरलाइंस ने ट्रांस वर्ल्ड एयरलाइंस का औपचारिक रूप से अधिग्रहण किया और वह उस समय दुनिया की सबसे बड़ी एयरलाइन बन गई।
2002 - बहरीन में निगम चुनाव में महिलाओं को भी भाग लेने की छूट मिली।
2003 - स्टीव वॉ सर्वाधिक टेस्ट (157) खेलने वाले खिलाड़ी बने।
2003 - इराक को सद्दाम की तानाशाही से मुक्ति मिली।
2004 - ईराक में संघर्ष तेज पर अमेरिकी काफीले पर हमले में 9 लोगों की मृत्यु।
2004 - पुर्तगाल के सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के कई आपराधिक मामलों में वांछित माफिया सरगना अबू सलेम के भारत प्रत्यर्पण सम्बन्धी आदेश की पुनः समीक्षा करने को कहा।
2005 - ब्रिटेन के युवराज चार्ल्स का विवाह कैमिला के साथ सम्पन्न।
2006 - यूरेनस ग्रह के चारों ओर शनि जैसा वलय होने की पुष्टि। पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ़ ने 2007 के चुनावों के बाद भी अपने पद बने रहने की घोषणा की।
2008 - उत्तर प्रदेश सरकार ने दलिया व कॉपियों समेत डेढ़ दर्जन वस्तुओं को वैट से मुक्त किया।
2010 - जम्मू-कश्मीर की विधान सभा ने अंतर जिला भर्तियों पर पाबंदी लगाए जाने सबंधी विवादित विधेयक पारित हो गया।

विश्व णमोकार दिवसः युद्ध के माहौल में विश्व शांति का शंखनाद

ललित गर्ग

विश्व इतिहास के इस संक्रमणकाल में, जब मानवता युद्ध, हिंसा, आतंक, तनाव और असहिष्णुता के बोझ तले कराह रही है, ऐसे समय में 9 अप्रैल 2026 को मनाया जाने वाला विश्व णमोकार मंत्र दिवस एक अद्वितीय आध्यात्मिक ऊर्जा-विस्फोट के रूप में सामने आ रहा है। यह दिवस केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि दिव्य चेतना के जागरण का ऐसा अवसर है, जिसमें सामूहिक मंत्रोच्चारण से उत्पन्न होने वाली चमत्कारी और सिद्ध शक्तियां पूरे विश्व को आलोकित करने वाली हैं। "एक विश्व, एक दिन, एक मंत्र"-इस संकल्प के साथ प्रातः जब संपूर्ण पृथ्वी पर एक साथ णमोकार महामंत्र का उच्चारण होगा, तब यह केवल ध्वनि नहीं होगी, बल्कि एक दिव्य ऊर्जा तरंग का निर्माण होगा। आध्यात्मिक विज्ञान के अनुसार, जब लाखों-करोड़ों लोग एक ही समय पर एक ही पवित्र मंत्र का उच्चारण करते हैं, तो उससे उत्पन्न स्पंदन वातावरण को शुद्ध करते हैं, नकारात्मक ऊर्जा का क्षय करते हैं, सकारात्मक चेतना का तीव्र प्रसार करते हैं और शांति एवं अहिंसा का शंखनाद करते हैं। यह सामूहिक ऊर्जा 'संकल्प शक्ति' के रूप में कार्य करती है, जो असंभव को संभव बनाने की क्षमता रखती है।

यह विलक्षण दिवस हजारों मंदिरों एवं अन्य स्थलों में जातीय बंधनों को तोड़कर सभी समुदाय, जाति, वर्ग के लोगों को सम्मिलित होने का अवसर देकर एक प्रेरणादीप बनेगा, जहां मैत्री के फूल खिलेंगे, शांति एवं सद्भावना की ज्योति रश्मियां जगमगायेगी। मानव ने ज्ञान-विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है। परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान में कमी आई है। विचार-क्रान्तियां बहुत हुईं, किन्तु आचार-स्तर पर क्रान्तिकारी परिवर्तन कम हुए। शान्ति, अहिंसा और मानवाधिकारों की बातें संसार में बहुत हो रही हैं, किन्तु सम्यक्-आचरण, सम्यक्-चरित्र, सम्यक्-दृष्टि का अभाव अखरता है। सिद्ध एवं चमत्कारी णमोकार महामंत्र सम्यक्-आचरण को उद्घाटित करने वाला किसी धर्म विशेष का नहीं है, यह एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक, सार्वदैशिक मंत्र है, जिसका उच्चारण कर व्यक्ति शुद्ध आचरण एवं स्वस्थ जीवनशैली को आकार देते हुए शांति, अहिंसा, अयुद्ध, सह-जीवन का साकार कर सकता है। 'णमोकार महामंत्र' के सामूहिक उच्चारण के माध्यम से दुनिया भर के लोगों को एक सूत्र में पिरोने का प्रयास है।

यह आयोजन विश्व शांति, आत्मशांति, सद्भावना और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन-जीतो संस्था के द्वारा कराया जा रहा है.। इस विराट आयोजन में 180 से अधिक देशों के लाखों श्रद्धालु भाग लेंगे। विश्वभर में 100 से अधिक मेगा इवेंट्स और 6000 से अधिक मंदिरों एवं स्थलों पर यह सामूहिक जाप होगा। दिल्ली के मुख्य समारोह में भारत के 14वें राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद एवं गृहमंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति इस आयोजन को वैश्विक पहचान प्रदान करेगी। इस आयोजन से उत्पन्न होने वाली चमत्कारी और सिद्ध शक्तियों का वर्णन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि अनुभव का विषय भी है। यह मंत्र आत्मा के गहनतम स्तर को स्पर्श करता है, जहां से चेतना की शुद्ध धारा प्रवाहित होती है। ऐसा माना जाता है कि इस सामूहिक जाप के दौरान- मानसिक शांति और स्थिरता का अद्भुत अनुभव होता है, जिससे तनाव, भय और अवसाद स्वतः क्षीण होते हैं। आभामंडल की शुद्धि होती है, जिससे व्यक्ति की ऊर्जा सकारात्मक और प्रभावशाली बनती है। रोगों में राहत और स्वास्थ्य में सुधार के अनेक अनुभव सामने आते हैं, क्योंकि सकारात्मक कंपन शरीर की कोशिकाओं को संतुलित करते हैं। संकल्प सिद्धि की शक्ति बढ़ती है अर्थात जो शुभ संकल्प किए जाते हैं, वे पूर्ण होने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर होते हैं। कर्म निर्जरा (कर्मों का क्षय) की प्रक्रिया तेज होती है, जिससे आत्मा की शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति संभव होती है।

दुनिया में अनेक मंत्र हैं, किंतु दो मंत्र विशेष रूप से प्रभावशाली माने जाते हैं गायत्री मंत्र और णमोकार महामंत्र। णमोकार मंत्र न केवल जैन धर्म का मूल मंत्र है, बल्कि यह आत्मा की शुद्धि और चेतना के उत्कर्ष का सार्वभौमिक सूत्र है। इसकी शक्ति अनंत और अक्षय मानी जाती है। इसमें किसी व्यक्ति का नहीं, किंतु संपूर्ण रूप से विकसित और विकासमान विशुद्ध आत्मस्वरूप का ही दर्शन, स्मरण, चिंतन, ध्यान एवं अनुभव किया जाता है। लौकिक मंत्र आदि सिर्फ लौकिक लाभ पहुँचाते हैं, किंतु लोकोत्तर मंत्र लौकिक और लोकोत्तर दोनों कार्य सिद्ध करते हैं। इसलिए णमोकार मंत्र सर्वकार्य सिद्धिकारक लोकोत्तर मंत्र माना जाता है, सब पापों का नाश करने वाला है, यह अद्भुत शांति का कारक है। यह संसार में सबसे उत्तम मंगल को घटित करने वाला सिद्ध मंत्र है। णमोकार-स्मरण से अनेक लोगों के रोग, दरिद्रता, भय, तनाव, अशांति, विपत्तियाँ दूर होने की अनुभव सिद्ध घटनाएँ सुनी जाती हैं। मन चाहे काम आसानी से बन जाने के अनुभव भी सुने हैं।

णमोकार महामंत्र के जाप एवं साधना से उत्पन्न ऊर्जा एक पाथेय है जीवनशैली को बदलने का, पर्यावरण एवं प्रकृति के प्रति जागरूक होने का, शांति एवं अहिंसक जीवनशैली का, शरीर, मन, आत्मा एवं प्रकृति के प्रति सचेत रहने का। मूल्यों का सम्बन्ध तो 'जियो और जीने दो' जैसे सरल श्रेष्ठ उद्घोष से है, जो णमोकार महामंत्र की सार्थक निष्पत्ति है। इस मंत्र के प्रथम पाँच पदों में 35 अक्षर और शेष दो पदों में 33 अक्षर हैं। इस तरह कुल 68 अक्षरों का यह महामंत्र समस्त कार्यों को सिद्ध करने वाला व कल्याणकारी अनादि सिद्ध मंत्र है। इसकी आराधना करने वाला स्वर्ग यानी मोक्ष- संसारबंधनों मुक्ति को प्राप्त कर लेता है। यह मन्त्र एक भावना है, एक इच्छा है, एक कामना है जो बार बार दोहराई जाती है ताकि वैसा हो जाए, इस दृष्टि में उन्नत विश्व संरचना, हिंसा एवं युद्ध मुक्ति के लिये यह कारगर है। सह-अस्तित्व के लिए अहिंसा अनिवार्य है और अहिंसा को फलित करने के लिये णमोकार महामंत्र अचूक उपक्रम है, अनुष्ठान है। दूसरों का अस्तित्व मिटाकर अपना अस्तित्व बचाए रखने की कोशिशें व्यर्थ और अन्ततः घातक होती हैं।

भगवान महावीर का संदेश कि "सुख सबको प्रिय है, दुःख अप्रिय"-इस मंत्र की मूल भावना है। जब यह मंत्र करोड़ों कंठों से एक साथ गूंजता है, तो यह केवल शब्द नहीं रहता, बल्कि करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की वैश्विक घोषणा बन जाता है। आचार्य उमास्वाति की उक्ति "परस्परोपग्रहो जीवानाम्" इस सामूहिक साधना के माध्यम से जीवंत हो उठती है। गतवर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने उद्बोधन में इस मंत्र को "आंतरिक क्रांति का माध्यम" बताया था। उन्होंने कहा कि यह मंत्र केवल जप नहीं, बल्कि जीवन को बदलने की शक्ति है-एक ऐसा साधन जो व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और समाज को एक सूत्र में पिरोता है। आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और आतंक के संकट से जूझ रहा है, तब यह आयोजन एक "आध्यात्मिक ऊर्जा-संकल्प" बन सकता है। यह वह क्षण होगा, जब मानवता अपनी सामूहिक चेतना से शांति का आह्वान करेगी और णमोकार मंत्र की दिव्य तरंगें विश्व को एक नई दिशा देंगी। निश्चित तौर पर यह दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि वास्तविक परिवर्तन बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है। यदि हम इस मंत्र की शक्ति को समझकर उसे अपने जीवन में उतारें, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन, बल्कि सम्पूर्ण विश्व शांति, समरसता, अहिंसा, अयुद्ध और आनंद की दिशा में अग्रसर हो सकता है। यही इस मंत्र की चमत्कारी शक्ति है, यही इसकी सिद्धि है, और यही इसका वैश्विक संदेश है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail. Com

विधानसभा चुनाव : असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान आज, तैयारियां पूरी

नई दिल्ली। असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल (गुरुवार) को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन ने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

असम की 126, केरल की 140 और पुडुचेरी की 30 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की किस्मत 09 अप्रैल को ईवीएम में बंद हो जाएगी। इन सभी सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया एक ही चरण में पूरी की जाएगी। असम में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। 18-19 आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई, 2026 को समाप्त होने वाला है। इसी तरह से केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। यहां मुकाबला त्रिकोणीय है, जिसमें प्रमुख राजनीतिक दल शामिल हैं। सरकार बनाने के लिए 71 सीटों के बहुमत की आवश्यकता है। राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं।

वहीं, पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं, जिनमें से पांच सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं। सरकार बनाने के लिए 16 सीटों के बहुमत की आवश्यकता है। यहां कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं।

असम चुनाव के लिए 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर 25,054,463 मतदाता मताधिकार के हकदार हैं और इन सभी मतदान केंद्रों की निगरानी लाइव वेबकास्ट के ज़रिए की जाएगी। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय से जारी जानकारी में कहा गया है कि सीईओ अनुराग गोयल की अगुवाई में सभी संबंधित अधिकारी मतदान प्रक्रिया से जुड़ी अपनी ज़िम्मेदारियां देख रहे हैं। कानून-व्यवस्था और चुनाव खर्च समेत सभी पहलुओं की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने पहले ही केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात कर दिया है। निगरानी व्यवस्था और मज़बूत करने के लिए आयोग के निर्देशों के मुताबिक वेबकास्टिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

सभी 31,490 पोलिंग स्टेशनों पर वेबकास्टिंग की सुविधाएं चालू कर दी गई हैं, इनमें 31,486 मुख्य मतदान केंद्र और 4 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। इससे ज़िला चुनाव अधिकारियों, मुख्य चुनाव अधिकारी और भारत के चुनाव आयोग के दफ़्तरों से मतदान प्रक्रिया की रियल-टाइम (लाइव) निगरानी करना मुमकिन हो पाएगा। इसके अलावा, मतदान केंद्रों पर सुरक्षा पक्की करने के लिए, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ, जिनमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान भी शामिल हैं, को तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सूक्ष्म-पर्यवेक्षकों को भी तैनात किया गया है। चुनावी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए कुल 151,132 मतदान कर्मियों को तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया के लिए 41,320 बैलेट यूनिट, 43,975 कंट्रोल यूनिट और 43,997 वीवीपैट मशीनों का इंतज़ाम किया गया है, इनमें आपातकालीन स्थितियों में इस्तेमाल के लिए रिज़र्व में रखी गई मशीनें भी शामिल हैं। ज़रूरत पड़ने पर इस्तेमाल के लिए अतिरिक्त मतदान कर्मियों को भी स्टैंडबाय पर रखा गया है।

सीईओ के दफ़्तर के मुताबिक, इस चुनाव में 722 उम्मीदवार मैदान में हैं और कुल 25,054,463 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 12,531,552 पुरुष मतदाता , 12,522,593 महिला मतदाता और ट्रांसजेंडर श्रेणी के 318 मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा, 63,423 सर्विस मतदाता भी हैं। मतदाताओं में से 642,314 लोग 18-19 आयु वर्ग के हैं, 250,006 लोग 80 वर्ष से अधिक आयु के हैं और 205,085 लोग दिव्यांग हैं। इसके अलावा, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 60(सी) के अनुसार, चुनाव आयोग ने 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और पहचान किए गए दिव्यांग व्यक्तियों के लिए डाक मतपत्र (पोस्टल बैलट) के माध्यम से घर से ही अपना वोट डालने की एक वैकल्पिक सुविधा प्रदान की है।

इसी तरह, केरल के सभी मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), रतन यू. केलकर ने बताया कि सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा। 883 उम्मीदवार की किस्मत का फैसला लगभग 2 करोड़ 70 लाख मतदाता करने वाले हैं। मतदान के लिए पूरे राज्य में 30,495 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इस आंकड़े में 24 सहायक मतदान केंद्र भी शामिल हैं। प्रदेश के 30 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 1,099 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। बुधवार को मतदान कर्मियों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और अन्य आवश्यक सामग्रियों के साथ जीपीएस युक्त वाहनों के जरिए संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना कर दिया गया। उनके साथ सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल और हथियारबंद जवान भी तैनात किए गए हैं।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मतदान समाप्त होने के बाद ईवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा, जहां उन्हें सुरक्षित कमरों में सील किया जाएगा। इन कमरों की 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। साथ ही अर्द्धसैनिक बलों और पुडुचेरी पुलिस द्वारा तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। चुनाव में कुल 294 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें 34 राष्ट्रीय दलों, 63 राज्य स्तरीय दलों, 80 गैर-मान्यता प्राप्त पंजीकृत दलों और 117 निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं। मतदान प्रक्रिया के लिए 1,099 ईवीएम, 1,099 कंट्रोल यूनिट और 1,099 वीवीपैट मशीनों का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा आपात स्थिति से निपटने के लिए 364 ईवीएम, 364 कंट्रोल यूनिट और 459 वीवीपैट मशीनें रिजर्व में रखी गई हैं। देश के सभी पांच राज्यों की मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना 04 मई को होगी।

हम मतदाता सूची से नाम हटाने के खिलाफ फिर से अदालत जाएंगे: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और कहा कि उनकी पार्टी मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने के खिलाफ फिर से अदालत का रुख करेगी। ममता बनर्जी की यह टिप्पणी राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पूरा होने पर लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाये जाने के बाद आयी है।

बनर्जी ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण कवायद को लेकर अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाकर आप तृणमूल कांग्रेस को नहीं हरा पाएंगे। नाम हटाने के खिलाफ हम फिर से अदालत जाएंगे। बनर्जी ने गत फरवरी में उच्चतम न्यायालय में दलीलें दी थीं, जिसमें उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया में हस्तक्षेप का अनुरोध किया था। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2025 में कुल 7.66 करोड़ मतदाता थे, जिनमें से 90.83 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए बनर्जी ने कहा कि हम नामों को संविधान के अनुसार सूची में शामिल करवाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। अगर लोग वोट नहीं डाल सकते, तो न्यायाधिकरण बनाने की क्या जरूरत है? और फिर आप कह रहे हैं कि सूची 'फ्रीज' कर दी गई है। यह क्या है? हम इसे चुनौती देंगे और इसे समझने की कोशिश करेंगे। हुगली जिले के आरामबाग में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने भाजपा पर मतदाता सूचियों में हेरफेर की कोशिश करने और मतदाताओं को लुभाने के लिए धन की पेशकश करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर लोगों को फोन पर धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है।

घाना के उच्चायुक्त ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री से की मुलाकात

द्विपक्षीय सहयोग को मज़बूत करने पर दिया ज़ोर

हैदराबाद। हैदराबाद में बुधवार को भारत में घाना के उच्चायुक्त प्रो. क्वासी ओबिरी-डांसो ने जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास पर ए. रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। उच्चायुक्त के रूप में पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली हैदराबाद यात्रा रही।

बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने आपसी सहयोग को मजबूत करने और द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की। उच्चायुक्त ने विशेष रूप से शिक्षा, खनन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और व्यापार जैसे क्षेत्रों में घाना और तेलंगाना के बीच संबंधों को और सुदृढ़ करने में गहरी रुचि जताई। घाना ने दवाइयों, कृषि और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई है। बातचीत के दौरान चिकित्सा क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी गई। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि राज्य सरकार सहयोग को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

इसी कड़ी में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) घाना में सोना, बॉक्साइट और लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के खनन की संभावनाएं तलाश रही है, जो भविष्य में आर्थिक सहयोग को नई दिशा दे सकता है। उल्लेखनीय है कि हैदराबाद की उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हैं, जहां समय-समय पर घाना के नागरिक इलाज के लिए आते हैं।

साथ ही, बड़ी संख्या में घाना के छात्र यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। जानकारों का मानना है कि इस बैठक के बाद दोनों पक्षों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में ठोस पहल देखने को मिल सकती है। यह बैठक दोनों क्षेत्रों के बीच आर्थिक, शैक्षणिक और तकनीकी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई स्थिर : शर्मा

सरकार ने बताया 5 किलो के 8,90,000 सिलेंडरों की बिक्री हुई

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में सीजफायर की घोषणा का स्वागत करते हुए केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति आएगी। सरकार ने कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल की सप्लाई स्थिर है। तेल रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के साथ पूरी क्षमता से चल रही हैं, जबकि 23 मार्च से अब तक 5 किलो के लगभग 8,90,000 सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। कोयला आधारित बिजली देश की ऊर्जा जरूरतों का लगभग 70 फीसदी हिस्सा पूरा करना जारी रखे हुए है।

पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। सुजाता शर्मा ने कहा कि पिछले पांच दिनों में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने करीब 1,600 जागरूकता कैंप लगाए हैं, जिनमें लगभग 14,000 सिलेंडर बांटे गए हैं। उन्होंने कहा कि कल लगभग 1.1 लाख गैस सिलेंडर की सप्लाई की गई, जिससे 23 मार्च से अब तक पांच किलो वाले गैस सिलेंडर की कुल बिक्री लगभग 8.9 लाख हो गई है। उन्होंने बताया कि घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिसमें खाद बनाने वाले प्लांटों को लगभग 95 फीसदी गैस की सप्लाई मिल रही है। पेट्रोल और डीजल की सप्लाई स्थिर है और कहीं भी कमी नहीं है क्योंकि रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के साथ पूरी क्षमता से चल रही हैं। शर्मा ने कहा कि सरकार ने सप्लाई बढ़ाने के लिए C3 और C4 स्ट्रीम को एलपीजी पूल में भेजने का निर्देश दिया है, जबकि पेट्रोकेमिकल्स के लिए सीमित इस्तेमाल की अनुमति दी है। सुजाता शर्मा ने बताया कि नेचुरल गैस के संबंध में घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी गई है और उनकी आपूर्ति को सुरक्षित रखा गया है। इसके साथ ही उद्योगों को भी नेचुरल गैस की सप्लाई शुरू की गई है। ड्राफ्ट स्टेट सीबीजी पॉलिसी जारी की गई है, जो राज्य इस पॉलिसी को अपनाएंगे, उन्हें अतिरिक्त कमर्शियल एलपीजी आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। भारत सरकार ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वे ऐसे सुधार लागू करें, जिससे प्राथमिकता वाले कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति आसान हो सके। इसके तहत लगभग 18 राज्यों ने कदम उठाए हैं और उन्हें अतिरिक्त एलपीजी का आवंटन दिया गया है।

पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने कहा कि मार्च से अब तक लगभग 3,87,000 पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं और लगभग 4,21,000 नए उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं। जिन उपभोक्ताओं के पास एलपीजी और पीएनजी दोनों कनेक्शन हैं, उनसे एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि अब तक 17,000 से अधिक उपभोक्ता अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर चुके हैं। इसके साथ ही सभी नागरिकों से अपील है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और अपनी जरूरत के अनुसार ही ईंधन खरीदें। शर्मा ने कहा कि गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है। हाल ही में लगभग 4,000 छापे मारे गए और पिछले कुछ दिनों में लगभग 56,000 सिलेंडर ज़ब्त किए गए। तेल मार्केटिंग कंपनियों ने 1,770 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, 51 डिस्ट्रीब्यूटरों को निलंबित किया है और 175 के खिलाफ कार्रवाई की है। पेट्रोल, डीज़ल और एलपीजी की सप्लाई लगातार बनी हुई है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे घबराएं नहीं और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

भारत के खदानों और बिजली संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार

वहीं, कोयला मंत्रालय में संयुक्त सचिव संजीव कुमार कासी ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि खदानों, पावर प्लांटों, बंदरगाहों और ट्रांजिट में कोयले का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, जिसे बहुत कम समय की सूचना पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि बिजली उत्पादन के मामले में हमें बिल्कुल भी कमी का सामना नहीं करना पड़ रहा है और कोयले का उत्पादन उसी गति से कर रहे हैं, जिस गति से उसका उपभोग हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत के पास इस समय खदानों और बिजली संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार मौजूद है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उपभोक्ताओं तक बहुत कम समय में भी आपूर्ति पहुंचाई जा सके। बिजली उत्पादन क्षमता में कोई कमी नहीं है क्योंकि कोयले का उत्पादन खपत के स्तर के साथ तालमेल बिठाए हुए है।

सिक्किम के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मिलकर विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की

नई दिल्ली। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यहां मुलाकात कर राज्य के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण और सार्थक बातचीत हुई। मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री तमांग ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस मुलाकात की जानकारी देते हुए इसे सम्मानजनक बताया।

तमांग ने बैठक के दौरान सिक्किम की प्रमुख विकास प्राथमिकताओं और उभरती जरूरतों से प्रधानमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, सतत विकास और राज्य के लोगों के समग्र कल्याण के लिए केंद्र से सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने जून 2026 से फिर से शुरू होने वाले नाथुला दर्रा (सिल्क रूट) व्यापार मार्ग को फिर से खोलने के फैसले के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया।

उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय समुदायों और व्यापारिक गतिविधियों को बड़ा लाभ मिलेगा। इसके अलावा तमांग ने सिक्किम राज्य स्थापना के स्वर्ण जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया, जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास और समृद्धि के लिए केंद्र द्वारा लगातार मिल रहे मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और समर्थन के लिए भी आभार जताया।

केंद्र सरकार ने शुरू किया 'कौशल परिणाम निधि' अभियान, युवाओं को मिलेंगे रोजगार: चौधरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के युवाओं को रोजगार देने के लिए 'कौशल परिणाम निधि' अभियान की शुरुआत की है। इस निधि से देश के निम्न आय वर्ग के युवाओं को स्थायी और सम्मानजनक रोजगार दिया जाएगा।

केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने यहां बुधवार को अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत की कौशल विकास यात्रा अब परिणामों पर केंद्रित नए चरण में प्रवेश कर रही है। यह फंड युवाओं को वास्तविक अवसर, स्थायी रोजगार और काम की गरिमा दिलाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सरकार, उद्योग और परोपकारी साझेदारों को एक साथ लाकर बड़े पैमाने पर असर पैदा किया जा सकता है। 'कौशल परिणाम निधि' राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के तहत लागू की जाएगी और इसमें परोपकारी व गैर-लाभकारी संगठनों का सहयोग लिया जाएगा। कौशल विकास मंत्रालय की वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार मनीषा सेंसरमा ने कहा कि भारत का कौशल विकास इकोसिस्टम परिपक्व हो रहा है और नीति विमर्श इनपुट से परिणाम की ओर बढ़ रहा है।

परिणाम आधारित वित्तीय मॉडल जवाबदेही को मजबूत करेगा और निवेश को सीधे रोजगार परिणामों से जोड़ेगा। एनएसडीसी के सीईओ अरुण कुमार पिल्लई ने कहा कि कौशल प्रभाव बांड के अनुभव से साबित हुआ है कि जब प्रशिक्षण प्रदाताओं, नियोक्ताओं, निवेशकों और सरकार के प्रोत्साहन रोजगार परिणामों पर केंद्रित होते हैं तो पूरा स्किलिंग इकोसिस्टम अधिक प्रभावी हो जाता है। कौशल परिणाम निधि इसी मॉडल को बड़े पैमाने पर लागू करने की अगली कड़ी है। उल्लेखनीय है कि कौशल परिणाम निधि भारत के पहले परिणाम आधारित कार्यक्रम 'स्किल इम्पैक्ट बॉन्ड' की सफलता पर आधारित है। साल 2021 में शुरू हुए इस बॉन्ड के तहत 21 राज्यों में 34,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें 74 प्रतिशत महिलाएं हैं। स्वतंत्र सत्यापन के अनुसार 92 प्रतिशत प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणित किया गया, 76 प्रतिशत को नौकरी मिली और 62 प्रतिशत नौकरी में बने रहे।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने जयशंकर से की मुलाकात

नई दिल्ली। बांग्लादेश की नई सरकार के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान ने अपने पहले भारत दौरे में बुधवार को विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से मुलाकात की।

इस दौरान जयशंकर ने संबंधों को और मजबूत करने की भारत की इच्छा को दोहराया। मुलाकात के बाद विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य में उम्मीद जताई है कि इसके बाद की आधिकारिक बैठकें जल्द ही आयोजित की जाएंगी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान से मुलाकात की। इस बैठक में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर भी उपस्थित थे। इस दौरान जयशंकर ने नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की भारत की इच्छा को दोहराया।

पश्चिम बंगाल में सात सीटों पर उम्मीदवार बदले, 20 वर्ष बाद 294 सीटों पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए राष्ट्रीय कांग्रेस ने चुनाव घोषणा पत्र जारी होने के 24 घंटे के भीतर ही दक्षिण बंगाल के चार जिलों की सात विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार बदल दिए हैं। वहीं 20 वर्ष बाद प्रदेश कांग्रेस इस बार राज्य की सभी 294 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार रही है।

मंगलवार को कोलकाता के एक होटल में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी का चुनाव घोषणा पत्र जारी किया गया था। इसके बाद बुधवार को पार्टी के संगठन महासचिव केसी. वेणुगोपाल ने बयान जारी कर उम्मीदवारों में बदलाव की विस्तृत जानकारी दी। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए सभी सीटों पर उम्मीदवारों के नाम भी घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने नदीया, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और बर्धमान जिलों की सीटों पर बदलाव किया है। इसके तहत नदीया जिले की नाकाशीपाड़ा सीट से गोलाम किबरिया मंडल के स्थान पर ताहिर शेख को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि चापड़ा सीट से रहिदुल मंडल की जगह आसिफ खान को टिकट दिया गया है। उत्तर 24 परगना की हाबड़ा सीट पर पहले किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं हुई थी, लेकिन अब वहां से प्रणब भट्टाचार्य को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं मिनाखा सीट पर वर्णाली नस्कर की जगह सुनयना विश्वास को उम्मीदवार बनाया गया है। दक्षिण 24 परगना जिले की मंदिरबाजार सीट पर पहले कौशिक बैद्य उम्मीदवार थे, लेकिन अब उनकी जगह चांद सरदार को टिकट दिया गया है।

बर्धमान जिले की रायना सीट से अनिक साहा के स्थान पर पम्पा मलिक, केतुग्राम सीट से मफिरुल काशेम की जगह शेख अबु बक्कर और आउसग्राम सीट से निशा बड़ाल के स्थान पर तापस बड़ाल को उम्मीदवार बनाया गया है। इन सभी सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान होना है और नामांकन प्रक्रिया जारी है। ऐसे समय में उम्मीदवार बदलने के फैसले को लेकर राजनीतिक हलकों में सवाल उठने लगे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि कांग्रेस ने उम्मीदवारों की घोषणा में पहले ही काफी देर कर दी थी। हालांकि, प्रदेश कांग्रेस के एक वर्ग का मानना है कि अन्य राजनीतिक दलों की तुलना में उम्मीदवारों की सूची और पहले जारी की जानी चाहिए थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में विज्ञान कांग्रेस के उद्घाटन सत्र में कृषि वैज्ञानिकों का किया सम्मान

विकसित उप्र और विकसित भारत का आधार बनेगा कृषि विज्ञान कांग्रेस : सीएम

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) की ओर से गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विज्ञान कांग्रेस-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना (2025-26) के अंतर्गत चयनित उत्कृष्ट वैज्ञानिकों को सम्मानित भी किया ।

कृषि विज्ञान कांग्रेस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कृषि विज्ञान कांग्रेस विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि तकनीकि आवश्यक है लेकिन कम लागत व कम संसाधन से अधिक उत्पादन कैसे हो सकता है इस पर काम करने की आवश्यकता है। अब खेत ही प्रयोगशाला बने इस दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है। चुनौतियां हमेशा आती रहेंगी। हमें देशी पद्धति को विकसित करना होगा। अन्नदाता खुशहाल तो देश व समाज खुशहाल होगामुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता खुशहाल होगा तो देश व समाज खुशहाल होगा।

सरकार ने कृषि और खेती को अपने एजेण्डे का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों से गन्ना किसानों का बकाया था और चीनी मिलें बंद हो रहीं थी लेकिन आज देश का 55 फीसदी गन्ना उत्पादन अकेले उत्तर प्रदेश कर रहा है। प्रदेश में 122 चीनी मिलें चल रही हैं। गन्ना मूल्य के भुगतान में देरी नहीं हो रही है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 से पहले किसान आत्महत्या कर रहा था, पलायन करता था। वह प्रताड़ित होता था। किसान उस समय चुनावी मुद्दा होता था। किसान के मन में अविश्वास था लेकिन डबल इंजन सरकार में आज किसान आत्महत्या नहीं कर रहा है। किसानों की आमदनी कई गुना बढ़ी है। बीज से लेकर उसके उत्पादन को बेचने के लिए नीति है। किसान को हर प्रकार से सहयोग मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक साजिश के तहत गांव की आत्मनिर्भर इकाई को भंग किया गया। पहले किसान को केवल खेती तक सीमित नहीं था। वह कारीगर भी था। हमारा किसान उत्पादक भी था और उद्यमी था। आक्रान्ताओं ने खेती के साथ भारत की उद्यमिता पर हमला किया। जो किसान पहले उत्पादक था उसे केवल कच्चा माल तैयार करने का अधिकार दिया। परिणाम स्वरूप किसान बदहाल होता गया। योगी ने कहा कि पहले बिजली और पानी नहीं था, समय पर बीज व उर्वरक नहीं मिल पाता था। किसान बदहाल था।

आज किसान की स्थिति सुधरी है। हर गाय को 1500 रूपये महीना उसके भरण पोषण के लिए सरकार उपलब्ध करा रही है। प्राकृतिक खेती के साथ गौशालाओं को जोड़ें। बुन्देलखण्ड से अन्ना प्रथा समाप्त हो गयी है। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यमंत्री कृषि बलदेव सिंह औलख, गौ-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, उपकार के अध्यक्ष कैप्टन (से.नि.) विकास गुप्ता, इक्रीसेट के महानिदेशक डा. हिमांशु पाठक, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार एवं प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

बारिश से प्रभावित किसान व बटाईदार को राहत, क्षतिपूर्ति में नहीं होगी देरी : योगी

लखनऊ। असमय बारिश, ओलावृष्टि तथा कुछ स्थानों पर आगजनी की घटनाओं से रबी फसलों को हुए नुकसान पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बुधवार की सुबह इस संबंध में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विपरीत परिस्थिति में अन्नदाता का चिंतित होना स्वाभाविक है और राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ किसानों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रभावित किसान एवं बटाईदार के नुकसान का सटीक, निष्पक्ष एवं समयबद्ध आकलन कर तत्काल क्षतिपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर राजस्व, कृषि एवं अन्य संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करते हुए शीघ्र सर्वेक्षण कर रिपोर्ट शासन को प्रेषित की जाए, ताकि राहत वितरण में किसी प्रकार का विलंब न हो। उन्होंने बीमा कंपनियों के साथ सक्रिय समन्वय स्थापित कर फसल बीमा दावों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं किसानों से संपर्क कर उन्हें बीमा योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें, जिससे अधिकतम राहत उपलब्ध हो सके। राजस्व विभाग को निर्देशित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आपदा राहत कोष से प्रत्येक जनपद को पर्याप्त धनराशि तत्काल उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रभावित किसानों को त्वरित एवं पारदर्शी ढंग से सहायता प्रदान की जाए। जहां आवश्यकता हो, वहां राहत शिविर स्थापित किए जाएं तथा मंडी समितियों के माध्यम से भी किसानों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाए।

अग्निकांड की घटनाओं पर विशेष संवेदनशीलता बरतते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जनहानि एवं पशुहानि की स्थिति में 24 घंटे के भीतर राहत राशि उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, पात्र लाभार्थियों को कृषक दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत शीघ्र लाभान्वित किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देशित किया कि जिन परिवारों के घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हुए हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कहा कि राहत एवं पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य होगी और इसके लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार इस आपदा की घड़ी में प्रत्येक किसान, कृषक परिवार एवं बटाईदार के साथ पूरी संवेदनशीलता, तत्परता एवं प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मंगलवार से ही मौसम खराब है। कई जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मंगलवार की शाम को बूंदा-बांदी शुरू हुई थी। पूरी रात और सुबह भी हल्की बारिश हुई है। आसमान में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने चेताया है कि अगले 48 घंटों कै दौरान उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में तेज बारिश हो सकती है।

अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़, 19 लोग गिरफ्तार

कानपुर। जिले में साइबर अपराध शाखा और विशेष कार्य दल (एसओजी) ने बुधवार सुबह एक अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ कर रेवना इलाके के एक गांव से 19 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि सूचना मिलने पर साइबर अपराध शाखा और एसओजी की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए यह गिरफ्तारियां की हैं। उन्होंने बताया कि टीम ने गांव के अंदर दाखिल होने और बाहर निकालने के सभी रास्तों को सील करके तलाशी अभियान चलाया और आरोपियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया। लाल ने बताया कि गिरोह के सदस्य एक संगठित गिरोह का हिस्सा हैं और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर अब तक कई लोगों को ठग चुके हैं। उन्होंने बताया, ₹गिरोह ने अनजान पीड़ितों से धन ऐंठने के लिए नकली दस्तावेज और जाली बैंक खाते का इस्तेमाल किया। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस को कई मोबाइल फोन, जाली दस्तावेज, सरकारी योजनाओं से जुड़े दस्तावेज और अवैध रूप से हासिल किया गया धन भेजने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बैंक खातों के सुबूत मिले।

पुलिस अधिकारियों को शक है कि इस गिरोह के तार कई अन्य राज्यों तक भी फैले हो सकते हैं और बड़े पैमाने पर पीड़ितों के साथ धोखाधड़ी की गई होगी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अपर पुलिस उपायुक्त सुमित सुधाकर रामटेके के नेतृत्व में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों के एकत्र होने से तनाव की स्थिति पैदा हो गई। इसके बाद पुलिस को तैनात किया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुलिस ने लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करके आरोपियों को आत्मसमर्पण करने या सख्त कानूनी कार्रवाई का सामना करने की चेतावनी दी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अभियान के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी 19 आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और उन्हें एक स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस ने कहा कि जांच आगे बढ़ने पर और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

आईजीआरएस रैंकिंग में मीरजापुर पुलिस अव्वल, प्रदेश में पहला स्थान

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर में जनशिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मीरजापुर पुलिस ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मार्च 2026 की आईजीआरएस रैंकिंग में जनपद को पूरे उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इस सफलता से पुलिस विभाग में उत्साह का माहौल है। अधिकारियों के अनुसार, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और पारदर्शिता बनाए रखने के कारण यह सफलता मिली है। जनपद के महिला थाना सहित कई थानों ने भी अपनी-अपनी श्रेणी में बेहतर प्रदर्शन करते हुए मासिक रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने इस उपलब्धि पर पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए जनसेवा को और सुदृढ़ किया जाए।

'ऑपरेशन प्रहार' के तहत स्कूल में चलाया गया नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

गाजियाबाद। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गाजियाबाद के निर्देशन में गाजियाबाद पुलिस द्वारा नशा मुक्त एवं अवैध हथियार मुक्त गाजियाबाद बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान "ऑपरेशन प्रहार" के अंतर्गत थाना साहिबाबाद क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

थाना साहिबाबाद की श्याम पार्क एक्सटेंशन चौकी प्रभारी सुमित उपाध्याय एवं पुलिस टीम द्वारा दिवाकर मॉडल स्कूल, श्याम पार्क एक्सटेंशन में विद्यार्थियों और शिक्षकगण के बीच नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की अपील की गई तथा बताया गया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, भविष्य और समाज के लिए अत्यंत हानिकारक है।

पुलिस टीम ने छात्रों को समझाया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करती है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही विद्यार्थियों को सही दिशा में आगे बढ़ने, अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने और किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को जागरूक करना तथा उन्हें नशे के दुष्प्रभावों से बचाते हुए एक सुरक्षित और स्वस्थ समाज की ओर प्रेरित करना रहा।

सरकारी जमीन पर बना मकान तोड़ने पहुंची राजस्व विभाग की टीम के सामने फांसी लगाने की कोशिश

शाहजहांपुर। जिले में सरकारी जमीन पर बने एक मकान को ध्वस्त करने गयी राजस्व विभाग की टीम और पुलिस के सामने ही मकान स्वामी और उसके दो बेटे पेड़ पर चढ़ गए और फांसी लगाने का प्रयास किया। फांसी का फंदा कस जाने पर एक व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जलालाबाद के उप जिलाधिकारी प्रभात कुमार राय ने बुधवार को बताया कि जलालाबाद थाना क्षेत्र के मगटोरा गांव में रहने वाले धनपाल ने चकरोड की सरकारी जमीन पर अपना मकान बना लिया था, जिसकी तहसीलदार की अदालत में बेदखली का आदेश भी दिया गया था। राय ने बताया कि इसके बाद धनपाल ने इस निर्णय को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जिसने तहसीलदार की अदालत को मामले की दोबारा सुनवाई करने का आदेश दिया था। उन्होंने बताया कि इसके बाद तहसीलदार की अदालत ने पूरे मामले की पुनः सुनवाई की और एक बार फिर बेदखली का आदेश दिया गया।

राय ने कहा कि मंगलवार को राजस्व विभाग की टीम पुलिस बल के साथ गांव पहुंची और उसने सरकारी भूमि से कब्जा हटाने को कहा। उन्होंने बताया कि इससे तैश में आया धनपाल और उसके बेटे दुर्गेश और विवेक फांसी लगाने के लिए पेड़ पर चढ़ गये और गले में फंदा डाल लिया।

उप जिलाधिकारी ने बताया कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने पेड़ पर चढ़कर धनपाल और दुर्गेश को बचा लिया जबकि विवेक फांसी से लटक गया। उन्होंने बताया कि बाद में विवेक को भी उतार लिया गया मगर हालत गम्भीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक राजेश यादव ने धनपाल के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मामले की जांच होनी चाहिये और पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिये।

हरिद्वार जा रहे दो दोस्तो की सड़क हादसे में मौत, 5 घायल

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत जनपद की कोतवाली क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर मंगलवार देर रात को सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत हो गई। दोनों युवक हरिद्वार स्नान के लिए जा रहे थे। वहीं, एक अन्य वाहन में सवार पांच लोग घायल हुए हैं। बुधवार सुबह घटना की जानकारी पर परिजन पोस्टमार्टम पहुंचे और पुलिस से घटना के बारे में जानकारी ली।

कोतवाल बृजेश कुमार ने बताया कि दिल्ली के नांगलोई निवासी कपिल (24) और प्रयागराज कौशिक (25) हरियाणा नंबर की टाटा पंच कार से मंगलवार को हरिद्वार के लिए निकले थे। जैसी ही उनकी तेज रफ्तार गाड़ी मवीकलां के पास अधूरे पड़े हाईवे पर पहुंची, कार अनियंत्रित होकर सड़क पर रखे डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार दोनों दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई। बुधवार सुबह परिजन शव लेने के लिए बागपत पहुंचे है।

कोतवाल बृजेश कुमार ने बताया कि प्राथमिक जांच में ओवरस्पीडिंग और अधूरे निर्माण को हादसे का कारण माना जा रहा है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। इस दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई है। वहीं, जबकि एक अन्य वाहन में सवार पांच लोग घायल हुए हैं जिनका उपचार कराया गया है।

शराब का ठेका खोले जाने पर ग्रामीणों ने किया हंगामा, तोड़फोड़ के आरोप में नौ लोग गिरफ्तार

मथुरा। जिले के बलदेव क्षेत्र के एक गांव में शराब का ठेका खोले जाने के विरोध में गांव की महिलाओं एवं पुरुषों ने कथित रूप से ठेके में घुसकर शराब की बोतलें और दुकान में लगा सीसीटीवी कैमरा तोड़ दिया। पुलिस ने इसकी जानकारी दी।

पुलिस उपाधीक्षक श्वेता वर्मा ने बुधवार को बताया कि पुलिस ने मंगलवार को ठेका संचालक की शिकायत पर नौ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उन्होंने बताया कि अब पुलिस वीडियो रिकॉर्डिंग देखकर शेष आरोपी ग्रामीणों को चिह्नित कर गिरफ्तार करेगी। वर्मा ने बताया कि बलदेव थाना क्षेत्र के भरतिया गांव में कंपोजिट शराब का सरकारी ठेका खोला गया है। उन्होंने बताया कि ऐसी शिकायत मिली थी कि सोमवार को बड़ी संख्या में जुटे गांव के पुरुषों व महिलाओं ने अचानक ठेके पर धावा बोल दिया और उसे बंद कराते हुए कई घण्टों तक वहां हंगामा किया।

पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि ऐसा आरोप है कि शराब का ठेका बंद करने की मांग को लेकर हंगामा कर रहे लोगों ने दुकान में घुसकर शराब की अनेक बोतलें तोड़ दीं और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारी ग्रामीणों का कहना था कि अगर सरकार को शराब का ठेका खोलना ही है तो गांव के बजाय कहीं और खोले। वर्मा ने बताया कि बाद में बड़ी संख्या में पहुंचे पुलिस बल ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराया।

थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि ठेका संचालक युदवीर सिंह की तहरीर पर चार महिलाओं समेत नौ लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस घटना की सीसीटीवी एवं वीडियो फुटेज के आधार पर अन्य ग्रामीणों को भी चिह्नित कर रही है और उन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। दूसरी ओर, ग्रामीणों की शिकायत है कि गांव में शराब का ठेका खोले जाने से वहां का माहौल खराब हो रहा है, लिहाजा उसे हटाया जाये।

पुलिस ने किडनी गिरोह के सदस्य परवेज सैफी को किया गिरफ्तार, नौ लाख रुपये भी बरामद

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर के चर्चित किडनी ट्रांसप्लांट गिरोह के मुख्य आरोपी डॉ. अफजल के करीबी परवेज सैफी को पुलिस ने देर रात रावतपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। डीसीपी एसएम कासिम आबिदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर फरार आरोपित को धर दबोचा है। पुलिस ने सैफी के पास से 09 लाख रुपये भी बरामद किए हैं। माना जा रहा है कि यह रकम किडनी तस्करी से हासिल की गयी है। इस गिरफ्तारी का आधार वह वायरल वीडियो बना, जिसमें सैफी और डॉ. अफजल 500 रुपये के नोटों के बीच बैठे थे।

कानपुर नगर के थाना रावतपुर क्षेत्र में प्राइवेट अस्पतालों में अवैध किडनी की खरीद-फरोख्त के मामले में पुलिस ने देर रात एक और आरोपित परवेज सैफी को गिरफ्तार किया है। मेरठ निवासी परवेज सैफी को मिलाकर अब तक नौ आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस के अनुसार परवेज सैफी एक शातिर अपराधी है और डॉक्टर अफजाल के साथ मिलकर इस अवैध नेटवर्क में लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन का काम संभालता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि परवेज ऑपरेशन से पहले अस्पतालों और आसपास के क्षेत्रों की रेकी करता था।

पुलिस सैफी के कब्जे से मिले 9 लाख रुपये को अवैध किडनी के सौदों से जुड़ी रकम मान कर जांच कर रही है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम एस.एम. कासिम आबिदी ने बुधवार को बताया कि जांच के दौरान वीडियो और ऑडियो साक्ष्य भी मिले हैं। एक ऑडियो में किडनी ट्रांसप्लांट के बाद एक महिला की मौत होने की बात सामने आई है, जिसकी गंभीरता से जांच की जा रही है। साथ ही डोनर और रिसिपिएंट के संबंध में भी पुलिस गहराई से पड़ताल कर रही है। वहीं, पहले गिरफ्तार आरोपित शिवम से पूछताछ में भी कई नए तथ्य सामने आए हैं, जिनके आधार पर पुलिस अन्य लोगों की तलाश में जुटी है। पुलिस का मानना है कि इस रैकेट में अभी और भी लोगों की संलिप्तता हो सकती है, जिन तक पहुंचने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

सीआरपीएफ कैंप में घुसे दो संदिग्ध युवक पकड़े गए

रामपुर। जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कैंप में घुसे दो संदिग्ध युवक पकड़े गए हैं। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया है। ये लोग बिना इजाज़त के कैंप में घुसे थे। अब पुलिस दोनों युवकों से कैंप परिसर में घुसने की वजह के बारे में पूछताछ कर रही है। सीआरपीएफ में तैनात उप कमांडेंट सौरभ राजपूत ने बुधवार को सिविल लाइंस थाना पुलिस में दी गई एक लिखित शिकायत में बताया कि कैंप की सुरक्षा में मुस्तैद सुरक्षा कर्मियों ने शक के आधार पर इन युवकों को पूछताछ के लिए रोका। लेकिन युवक वहां मौजूद होने का कोई सही कारण नहीं बता पाए। उन्होंने सुरक्षाकर्मियों को गुमराह करने की भी कोशिश की। इसके बाद दोनों संदिग्ध युवकों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। सिविल लाइंस थाना प्रभारी ओमकार सिंह ने बताया कि कड़ी पूछताछ में पता चला है कि पकड़े गए संदिग्ध युवकों में एक पटवाई गांव का नईम और दूसरा घोसीपुरा गांव निवासी भूरा है। दोनों के खिलाफ सीआरपीएफ प्रशासन से मिली तहरीर के आधार पर मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि 31 दिसंबर, 2007 की रात को आतंकवादियों ने सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर हमला किया था। उस घटना में सीआरपीएफ के सात जवान शहीद हो गए थे और एक रिक्शा चालक की भी जान चली गई थी।

सपा प्रमुख के खिलाफ पोस्टर लगाने वालों पर कार्रवाई की मांग तेज हुई

अमेठी। जिले में सपा के अध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के खिलाफ होर्डिंग और पोस्टर लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर सपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और कहा कि कार्रवाई नहीं होने पर पार्टी बड़ा आंदोलन करेगी। सपा के जिलाध्यक्ष राम उदित यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओ ने अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार सिंह से मुलाकात कर पूरे प्रकरण को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि जिले में जगह-जगह सपा प्रमुख के खिलाफ लगाए गए पोस्टर पार्टी की छवि खराब करने और राजनीतिक माहौल बिगाड़ने की साजिश का हिस्सा हैं। सपा नेताओं ने मांग की कि पोस्टर लगाने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए। सपा जिलाध्यक्ष यादव ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में हार की आशंका से बौखलायी भाजपा के लोगों ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की छवि धूमिल करने के लिए शासन के इसारे पर अमेठी में जगह-जगह पोस्टर लगाये।

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद समेत इक्यावन जिलों में बुधवार को तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। इतना ही नहीं कुछ स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। ऐसा मौसम विभाग का पूर्वानुमान है। भारतीय मौसम विभाग के मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ ने चेतावनी जारी किया है।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ एस.एन. सुनील पांडेय ने बताया कि मौसम का पूर्वानुमान जारी करते हुए आंधी, हल्की बारिश और आकाशीय बिजली की चेतावनी दी है। पूर्वानुमान के अनुसार, 8 अप्रैल की सुबह तक प्रदेश के पूर्वी और मध्य हिस्सों में हल्की गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, प्रयागराज, संत रविदास नगर, वाराणसी, गाजीपुर, जौनपुर, बलिया, प्रतापगढ़, चित्रकूट, महोबा, बांदा, कौशांबी, हमीरपुर, फतेहपुर, जालौन, औरैया, कानपुर देहात, कानपुर नगर, ललितपुर, झांसी, इटावा, आजमगढ़, मऊ, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, देवरिया, अयोध्या, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, कन्नौज, फर्रुखाबाद, सीतापुर, बहराइच, गोंडा, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बरेली और पीलीभीत सहित आसपास के क्षेत्रों में हल्की गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं की संभावना है।

मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने, खुले स्थानों पर खड़े न रहने तथा आकाशीय बिजली के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। किसानों को भी फसलों और कटाई कार्य को लेकर सावधानी बरतने को कहा गया है।

एलएसजी के खिलाफ टीम में बदलाव कर सकता है केकेआर

नई दिल्ली। लय हासिल करने के लिए जूझ रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले मैच में सत्र की पहली जीत हासिल करने के लिए अपनी अंतिम एकादश में व्यापक बदलाव कर सकती है। केकेआर के लिए वापसी करना आसान नहीं होगा क्योंकि उसका सामना मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाज से होगा जिन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में चार ओवर में नौ रन देकर दो विकेट लिए थे। उन्होंने लगातार ओवरों में अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड को आउट किया था।

घरेलू क्रिकेट में बंगाल की तरफ से खेलने वाले शमी यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। वह सीधी सीम गेंदबाजी और गेंद की स्विंग कराने में माहिर हैं तथा वह ईडन गार्डन्स की परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। केकेआर ने अभी तक तीन मैचों में जीत हासिल नहीं की है। यहां की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती है। बारिश के कारण रद्द कर दिए गए पिछले मैच में पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने दिखाया कि अधिक घास वाली पिच पर सीधी सीम गेंदबाजी कितनी प्रभावी हो सकती है। उन्होंने तीन गेंद के अंदर फिन एलन और कैमरन ग्रीन को आउट करके केकेआर के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था। केकेआर भाग्यशाली रहा कि यह मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। इससे उसने अंक तालिका में अपना खाता भी खोला। पश्चिमी बंगाल के गंगा वाले क्षेत्र से लेकर मन्नार की खाड़ी तक निम्न दबाव बनने के कारण यहां पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बुधवार देर रात और गुरुवार की सुबह बारिश होने की संभावना है। हालांकि मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होने के कारण इस पर ज्यादा असर पड़ने की संभावना नहीं है। केकेआर के लिए शमी पावरप्ले में बड़ा खतरा साबित होंगे।

उनके अलावा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और मिस्ट्री स्पिनर दिग्वेश राठी का सामना करना भी आसान नहीं होगा। एलएसजी की ताकत उनकी पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी करना है। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद दोनों के खिलाफ पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन किया था। केकेआर ने अभी तक अजिंक्य रहाणे और फिन एलन की सलामी जोड़ी को आजमाया है जो अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए। वह इस मैच में एलन और टिम सीफर्ट की न्यूजीलैंड की जोड़ी को आजमा सकते हैं। न्यूजीलैंड के एक अन्य खिलाड़ी रचिन रविंद्र भी मध्य क्रम में जगह बनाने के दावेदार हैं। इससे केकेआर को स्पिन का एक अतिरिक्त विकल्प भी मिल जाएगा। केकेआर की सबसे बड़ी चिंता सुनील नारायण (आठ ओवर में 69 रन देकर एक विकेट) और भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का खराब प्रदर्शन रहा है, जिन्होंने अभी तक एक भी विकेट नहीं लिया है। यह दोनों खिलाड़ी पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में अस्वस्थ होने के कारण टीम में शामिल नहीं थे। इन दोनों की अंतिम एकादश में वापसी हो सकती है जबकि मिस्ट्री स्पिनर दक्ष कामरा को भी मौका मिल सकता है। केकेआर के लिए एक और चिंता का विषय कैमरन ग्रीन का नहीं चल पाना है जिन्हें उसने 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। वह केवल बल्लेबाज के रूप में खेल रहे हैं लेकिन अभी तक तीन मैच में 18, दो और चार रन ही बना पाए हैं। जहां तक एलएसजी का सवाल है तो उसकी टीम पिछले मैच में जीत दर्ज करने से आत्मविश्वास से भरी होगी।

उसके कप्तान ऋषभ पंत ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पिछले मैच में नाबाद 68 रन बनाए थे और वह अपनी इस फॉर्म को जारी रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। एलएसजी की टीम में पंत के अलावा शीर्ष तीन में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श और दक्षिण अफ्रीका के एडन मारक्रम भी शामिल हैं। वह केकेआर के गेंदबाजों पर शुरू से ही हावी होने की कोशिश करेंगे।

इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **केकेआर:** अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, सुनील नारायण, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, कैमरून ग्रीन, फिन एलन, मथीशा पथिराना, तेजस्वी सिंह, कार्तिक त्यागी, प्रशांत सोलंकी, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, रचिन रवींद्र, ब्लेसिंग मुजाराबानी, सौरभ दुबे और नवदीप सैनी.
- **एलएसजी: ऋषभ पंत (कप्तान),** मिचेल मार्श, एडेन मारक्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

दिव्या देशमुख बढ़त पर, प्रज्ञानानंदा के खिताब की उम्मीदें लगभग खत्म

पाफोस (साइप्रस)। भारतीय शतरंज की युवा सनसनी दिव्या देशमुख ने शानदार वापसी करते हुए ड्रॉ की तरफ बढ़ रही बाजी को जीत में बदलकर कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में महिला वर्ग में संयुक्त बढ़त हासिल कर ली, लेकिन ओपन वर्ग में खेल रहे आर प्रज्ञाननंदा आठवें दौर में नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी से हार के बाद खिताब हासिल करने की दौड़ से लगभग बाहर हो गए हैं। महिला वर्ग में विश्व कप विजेता देशमुख ने काले मोहरों से खेलते हुए यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक को हराया और 4.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बना ली।

अब कुल चार खिलाड़ी संयुक्त रूप से आगे चल रही हैं। एक समय लग रहा था कि बाजी ड्रॉ पर समाप्त हो जाएगी लेकिन दिव्या देशमुख ने उम्मीद नहीं छोड़ी और अंतिम समय में अपनी प्रतिद्वंदी की एक अनचाही गलती का फायदा उठाते हुए महत्वपूर्ण जीत हासिल की। महिला वर्ग में भाग ले रही दूसरी भारतीय खिलाड़ी आर वैशाली ने कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा के साथ ड्रॉ खेला। वह आठ बाजियों के बाद 4.5 अंकों के साथ देशमुख, यूक्रेन की कटेरीना लागनो, चीन की झू जिनर और मुजिचुक के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। ओपन वर्ग में शीर्ष पर चल रहे उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने रूस के सबसे निचले पायदान पर मौजूद एंड्री एसेपेंको के साथ ड्रॉ खेला, जबकि गिरी ने प्रज्ञाननंदा को हराया। भारतीय खिलाड़ी की टूर्नामेंट में यह दूसरी हार है। सिंदारोव ने आठ में से 6.5 अंक हासिल कर लिए हैं और खिताब की तरफ बढ़ रहे हैं। अब उनकी बढ़त दो अंकों की हो गई है। 700,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में छह दौर का खेल बचा हुआ है।

इस टूर्नामेंट का विजेता खिलाड़ी मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश का सामना करेगा। सिंदारोव के बाद अमेरिका के गिरी और फैबियानो कारुआना का नंबर आता है। यह दोनों उनसे दो अंक पीछे हैं। प्रज्ञाननंदा, चीन के वेई यी, जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम और हिकारू नाकामुरा 3.5 अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। अंतिम स्थान पर चल रहे एसेपेंको उनसे एक अंक पीछे हैं।

आयुष शेट्टी ने एशियाई चैंपियनशिप में सातवीं वरीयता प्राप्त चीन के खिलाड़ी लिन शी फेंग को हराया

निंगबो (चीन)। भारत के आयुष शेट्टी ने बुधवार को यहां बैडमिंटन एशियाई चैंपियनशिप में चीन के विश्व में सातवें नंबर के खिलाड़ी लिन शी फेंग को सीधे गेम में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पिछले साल यूएस ओपन सुपर 300 का खिताब जीतने वाले विश्व के 25वें नंबर के खिलाड़ी आयुष ने 51 मिनट में 21-13 21-16 से जीत दर्ज की।

लिन ने शुरुआत में ही 4-1 की बढ़त बना ली, लेकिन आयुष ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया। इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में चीन के खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 4-1 से बढ़त हासिल कर दी और फिर इसे 12-9 तक बढ़ा दिया, लेकिन आयुष ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 18-13 कर दिया। लिन ने अंतर कम करते हुए स्कोर 16-18 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और खिताब के दावेदार माने जा रहे लिन को बाहर का रास्ता दिखा दिया।

भारत का कोई भी खिलाड़ी 1965 के बाद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पुरुष एकल का खिताब नहीं पाया है। तब दिनेश खन्ना ने खिताब जीता था। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 2023 में पुरुष युगल का खिताब जीता था। सात्विक के चोटिल होने के कारण यह स्टार भारतीय जोड़ी इस बार टूर्नामेंट में भाग नहीं ले रही है।

चैंपियंस लीग फुटबाल में बायर्न ने रियाल मैड्रिड पर 2-1 से जीत दर्ज की

मैड्रिड। चोट से उबरकर वापसी करने वाले हैरी केन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में रियाल मैड्रिड को 2-1 से हराया। केन ने एक गोल किया जबकि एक अन्य गोल करने में मदद की जिससे बायर्न 2-0 से आगे हो गया। किलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड की तरफ से गोल करके अंतर को कम किया। केन टखने में चोट के कारण पिछले सप्ताहांत बुंडेसलिगा मैच में नहीं खेल पाए थे और उनका इस मैच में खेलना संदिग्ध माना जा रहा था। उन्होंने हालांकि न सिर्फ मैच खेला बल्कि शानदार प्रदर्शन भी किया। इस परिणाम से बायर्न म्यूनिख को अगले सप्ताह जर्मनी में होने वाले दूसरे चरण के मैच से पहले बढ़त मिल गई है। वह 2023-24 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंचने की कोशिश कर रहा है। रियाल मैड्रिड के कोच अल्वारो अर्बेलोआ ने कहा, "हम अभी भी दौड़ में हैं। केवल एक गोल का अंतर है। हमने दिखा दिया है कि हम कहीं भी जीत सकते हैं। हमारा सामना एक कड़े प्रतिद्वंदी से था लेकिन हमने अच्छा खेल दिखाया।" केन ने 41वें मिनट में बायर्न के पहले गोल में मदद की। उन्होंने सर्ज ग्नाब्री के साथ मिलकर मूव बनाया और फिर लुई डियाज़ को पेनल्टी एरिया के अंदर पास दिया। कोलंबियाई फॉरवर्ड ने रियाल मैड्रिड के गोलकीपर एंड्री लुनिन को चकमा देकर गोल दाग दिया। केन ने 46वें मिनट में बायर्न की तरफ से दूसरा गोल किया। यह चैंपियंस लीग में उनका 11वां गोल था। एमबाप्पे ने इसके बाद 74वें मिनट में रियाल मैड्रिड की तरफ से गोल करके उसकी उम्मीदों को जीवंत रखा। एमबाप्पे इस सत्र में चैंपियंस लीग में 14 गोल करके शीर्ष पर काबिज हैं।

अर्जेंटीना दौरा: 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की घोषणा

नई दिल्ली। सलीमा टेटे की अगुवाई में आगामी अर्जेंटीना दौरे पर जाने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम के बुधवार को घोषित 24 सदस्यीय दल में ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका और अनुभवी गोलकीपर सविता की वापसी हुई है। डिफेंडर ज्योति और अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी मुमताज खान की भी वापसी हुई है, जिससे टीम के रक्षण और आक्रमण दोनों विभागों को मजबूती मिलेगी।

भारतीय टीम 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना के खिलाफ चार मैच खेलेगी। यह दौरा इस साल होने वाले विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अहम तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा कि यह दौरा टीम संयोजन को परखने और खिलाड़ियों के विकल्प बढ़ाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने 'हॉकी इंडिया' से जारी बयान में कहा कि यह दौरा हमारे लिए अधिक खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देने और अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीम के खिलाफ उन्हें परखने का अच्छा अवसर है।

उन्होंने कहा कि टीम के लिए वैकल्पिक खिलाड़ियों को तैयार करना हमारे लिए जरूरी है। इस तरह के अनुभव युवा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की हॉकी की जरूरतों को समझने में मदद करते हैं। इसके साथ ही यह हमें विभिन्न संयोजनों को आजमाने का मौका भी देता है।

टीम के लिए सबसे बड़ी मजबूती फिट होकर लौटीं फॉरवर्ड दीपिका की वापसी है, जो पुनर्वास के बाद फिर से टीम की मुख्य ड्रैग-फ्लिकर की भूमिका निभाने को तैयार हैं। उनकी अनुपस्थिति में नवनीत कौर, मनीषा चौहान, उदिता और अनु ने क्वालीफायर मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन किया था। दीपिका की वापसी से अब आक्रमण में अनुभव और गहराई दोनों बढ़ेंगे। गोलकीपर सविता की वापसी से अर्जेंटीनी आक्रमण के खिलाफ टीम की रक्षापंक्ति को मजबूती मिलेगी।

सविता की अनुपस्थिति में विश्व कप क्वालीफायर में अच्छा प्रदर्शन करने वाली बिछू देवी खारिबाम ने भी टीम में अपना स्थान बरकरार रखा है।

भारतीय महिला हॉकी टीम

- **गोलकीपर:** सविता, बिछू देवी खारिबाम।
- **डिफेंडर:** निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरंबम, मनीषा चौहान, ललथंतलुआंगी, ज्योति, उदिता।
- **मिडफील्डर:** वैष्णवी विट्ठल फाल्के, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे, नेहा, दीपिका सोरेंग, रुतुजा दादासो पिसल, इशिका।
- **फॉरवर्ड:** बलजीत कौर, नवनीत कौर, दीपिका, अन्नू, ब्यूटी डुंगडुंग, लालरेम्सियामी, मुमताज खान।

आरबीआई ने वर्तमान वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का लगाया अनुमान

मुंबई। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जो वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित 7.6 प्रतिशत से कम है। आरबीआई ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण जिंस की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी चिंताओं से वृद्धि दर नरम रह सकती है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि प्रमुख समुद्री मार्गों में व्यवधान एवं इसके कारण ढुलाई तथा बीमा लागत में वृद्धि से माल निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि हालांकि सेवा क्षेत्र की निरंतर मजबूती, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के युक्तिकरण का असर, विनिर्माण क्षेत्र में क्षमता उपयोग में वृद्धि तथा वित्तीय संस्थानों एवं कंपनियों के मजबूत बही-खाते घरेलू मांग को समर्थन देंगे। मल्होत्रा ने कहा कि भारत के व्यापक आर्थिक बुनियादी कारक मजबूत वृद्धि और कम मुद्रास्फीति के साथ भरोसे का संकेत दे रहे थे। हालांकि, मार्च में संघर्ष के अन्य क्षेत्रों तक फैलने और बढ़ने से परिस्थितियां प्रतिकूल हो गईं। उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने राय व्यक्त की है कि संघर्ष की तीव्रता और अवधि तथा ऊर्जा एवं अन्य बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान से मुद्रास्फीति और वृद्धि की संभावनाओं के लिए जोखिम बढ़ जाता है। नई जीडीपी श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-23) के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, भारत की वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि 2025-26 में 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मल्होत्रा ने कहा कि ऊर्जा और अन्य जिंस की ऊंची कीमतें, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान से आपूर्ति को लगे झटके 2026-27 में घरेलू उत्पादन की गति को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक वित्तीय बाजारों में बढ़ती अस्थिरता एवं उसके घरेलू वित्तीय परिस्थितियों पर असर से भी वृद्धि की संभावनाओं पर दबाव पड़ सकता है। केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित रणनीतिक व उभरते क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के सरकारी प्रयास भारत की दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं के लिए सकारात्मक हैं। मल्होत्रा ने कहा कि इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

वास्तविक जीडीपी से तात्पर्य आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित जीडीपी से है। आरबीआई के अनुसार, पहली तिमाही में वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 6.7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7.0 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने साथ ही कहा कि हालिया व्यापार समझौतों से माल निर्यात को लाभ मिल सकता है, जबकि सेवा क्षेत्र का निर्यात मजबूत बने रहने की उम्मीद है।

चालू वित्त वर्ष की पहली मौद्रिक नीति समीक्षा की मुख्य बातें

- नीतिगत ब्याज दर (रेपो दर) 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखी गई।
- मौद्रिक नीति रुख 'तटस्थ' बनाए रखा गया।
- वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 प्रतिशत का अनुमान।
- वित्त वर्ष 2026-27 में मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान।
- पश्चिम एशिया संकट का घरेलू अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका।
- ऊर्जा एवं अन्य जिंस की ऊंची कीमतें वित्त वर्ष 2026-27 में घरेलू उत्पादन पर दबाव डाल सकती हैं।
- बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी सुनिश्चित करने के लिए आरबीआई सक्रिय रहेगा।
- देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन अप्रैल तक 697.1 अरब डॉलर, जो लगभग 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्त है।
- आरबीआई की ब्याज दर तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक तीन से पांच जून के बीच होगी।

पीएमएमवाई के 11 साल पूरे, 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक ऋण वितरित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) ने बुधवार को लघु और सूक्ष्म उद्यमियों को सशक्त बनाने के 11 वर्ष पूरे कर लिए। पीएमएमवाई ने 57.79 करोड़ ऋणों के माध्यम से 40.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया, जिससे लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों के लिए ऋण इकोसिस्टम मजबूत हुआ। प्रधानमंत्री मोदी 8 अप्रैल, 2015 को इसकी शुरुआत की थी। पीएमएमवाई का उद्देश्य वित्तीय पहुंच में वर्तमान अंतर को कम करना है, जिसके तहत गैर-कॉर्पोरेट और गैर-कृषि आय सृजन गतिविधियों के लिए लघु व्यवसायों को समर्थन देने के लिए 20 लाख रुपये तक के सरल, आसान और बिना गारंटी वाले ऋण उपलब्ध कराए जाते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पिछले दशक में भारत ने एक ऐसा परिवर्तन देखा है, जहां करोड़ों आम नागरिकों ने नए आत्मविश्वास और सक्रियता के साथ उद्यमशीलता के क्षेत्र में कदम रखा है। सीतारमण ने कहा कि 11 बाद यह योजना देश में लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और अनगिनत व्यक्तिगत उद्यमियों के लिए ऋण परिदृश्य को नया रूप देने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है। वित्त मंत्री ने लाखों लोगों को सशक्त बनाने और समावेशी विकास के दृष्टिकोण को साकार करने में पीएमएमवाई की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि कुल मिलाकर 57.79 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी कुल राशि 40.07 लाख करोड़ रुपये है। इनमें से दो-तिहाई ऋण महिला उद्यमियों को स्वीकृत किए गए हैं। उनहोंने कहा कि लगभग एक-पांचवां हिस्सा पहली बार उद्यम शुरू करने वाले उद्यमियों को दिया गया है। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो नए उद्यमियों को 12 लाख करोड़ रुपये की राशि के साथ 12.15 करोड़ ऋण दिए गए हैं।

ब्याज दरें मध्यम से लंबी अवधि में कम बने रहने का अनुमान: RBI

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को भरोसा जताया कि मुद्रास्फीति की अनुकूल स्थिति को देखते हुए ब्याज दरें मध्यम से लंबी अवधि में नीचे बनी रहेंगी। मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद संवाददाताओं से कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अत्यंत मजबूत है और इसमें बाहरी झटकों या प्रतिकूल परिस्थितियों से उबरने की जबरदस्त क्षमता है। उन्होंने कहा कि देश की बुनियादी आर्थिक स्थिति बेहतर है, जिसके कारण वृद्धि को गति मिल रही है और कीमतों पर दबाव भी कम है।

गवर्नर ने कहा क्थ इस बात की पूरी संभावना है कि अल्पावधि से मध्यम अवधि में भी ब्याज दरें कम बनी रहेंगी। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। वहीं, चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो रिजर्व बैंक के मुद्रास्फीति के लिए निर्धारित दो से छह प्रतिशत लक्ष्य के भीतर है। इससे पहले, रिजर्व बैंक की छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से 'रेपो दर' को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया।

यह फैसला ईरान संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार पर पड़ने वाले प्रभावों को देखते हुए लिया गया है। आरबीआई गवर्नर ने स्पष्ट किया कि मौद्रिक नीति की समीक्षा करते समय अमेरिका और ईरान के बीच हुए दो सप्ताह के युद्धविराम को भी ध्यान में रखा गया है। ब्याज दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के मुद्दे पर मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई की तरफ से रेपो दर में की गई कुल 1.25 प्रतिशत अंकों की कटौती के मुकाबले बैंकों ने ऋण पर लगभग 0.90 प्रतिशत अंकों की कटौती की है, जो संतोषजनक है। रुपये की स्थिति पर उन्होंने कहा कि मुद्रा बाजार में हाल ही में उठाए गए कदम रुपये की विनिमय दर में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए थे और ये स्थायी उपाय नहीं हैं।

इक्सिगो ट्रेन्स एवं कन्फर्म टिकट एप ने ट्रेन में भोजन परोसने के लिए स्विगी के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। ट्रेन टिकट बुकिंग मंच इक्सिगो ट्रेन्स एवं कन्फर्म टिकट ने खाद्य ऑनलाइन मंच स्विगी के साथ साझेदारी की बुधवार को घोषणा की। इस साझेदारी से यात्री देश के 160 से अधिक रेलवे स्टेशन पर 40,000 से अधिक रेस्तरां से खाना ऑर्डर कर पाएंगे। स्विगी के अनुसार यह सेवा ट्रेन यात्रियों के लिए सफर को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू की जा रही है। इसके जरिये यात्री अपने पसंदीदा भोजन को आसानी से ऑर्डर कर पाएंगे जो उन्हें सीधे उनकी सीट पर मिलेगा। इक्सिगो ट्रेन्स एवं कन्फर्म टिकट के मुख्य संचालन अधिकारी (सीओओ) श्रीपाद वैद्य ने कहा कि स्विगी के साथ साझेदारी करके हम ट्रेन यात्रा से जुड़े अपने अनुभव को स्विगी के मजबूत रेस्तरां नेटवर्क एवं डिलीवरी विशेषज्ञता के साथ जोड़ रहे हैं जिससे हमारी मौजूदा 'फूड ऑन ट्रेन' सुविधा और मजबूत होगी।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम से सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा, निफ्टी 24,000 अंक के करीब

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को जोरदार तेजी आई और बीएसई सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के करीब पहुंच गया। पश्चिम एशिया में दो सप्ताह के युद्ध विराम से वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल के दाम में नरमी से घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 2,946.32 अंक यानी 3.95 प्रतिशत बढ़कर 77,562.90 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान, एक समय यह 3,018.96 अंक चढ़कर 77,635.54 अंक पर पहुंच गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 873.70 अंक यानी 3.78 प्रतिशत बढ़कर 23,997.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 901.5 अंक चढ़कर 24,025.15 अंक पर पहुंच गया था। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में, इंटरग्लोब एविएशन में सबसे अधिक 8.22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक और मारुति भी प्रमुख रूप से लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल थीं। दूसरी तरफ, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और पावर ग्रिड में गिरावट रही। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 13.89 प्रतिशत टूटकर 94.09 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 6.87 प्रतिशत और जापान का निक्की 225 5.39 प्रतिशत चढ़ गये।

चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग भी बढ़त में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को स्थिर बंद हुए थे। सेंसेक्स मंगलवार को 509.73 अंक बढ़कर 74,616.58 अंक पर बंद हुआ था जबकि निफ्टी 155.40 अंक की तेजी के साथ 23,123.65 अंक पर रहा था।

जल्द ही फिल्म 'करुप्पु' में नजर आएंगी तृषा कृष्णन

तृषा ने संन्यास की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने फिल्मों से संन्यास और शादी को लेकर चल रही अफवाहों पर आखिरकार प्रतिक्रिया दी है। पिछले कुछ दिनों से उनके अभिनेता थलापति विजय के साथ कथित रिश्ते और निजी जीवन को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही थीं। इस बीच, उनके फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने और किसी अमीर व्यवसाई से शादी करने की खबरें भी सामने आई थीं। इन अटकलों पर विराम लगाते हुए तृषा ने सोशल मीडिया पर तीखा जवाब दिया। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा कि लगता है उन्होंने फिल्में छोड़ दी हैं, शादी कर ली है और चार बच्चों की मां भी बन गई हैं। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने साफ कर दिया कि ये सभी खबरें पूरी तरह निराधार और मनगढ़ंत हैं। गौरतलब है कि हाल के महीनों में तृषा का नाम थलापति विजय के साथ जोड़ा जा रहा था। हालांकि, दोनों में से किसी ने इन चर्चाओं पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। काम की बात करें तो तृषा जल्द ही फिल्म 'करुप्पु' में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ सूर्या भी मुख्य भूमिका में होंगे।

अल्लू अर्जुन ने जन्मदिन पर किया 'राका' का ऐलान

बदले हुए लुक से फैंस हैरान

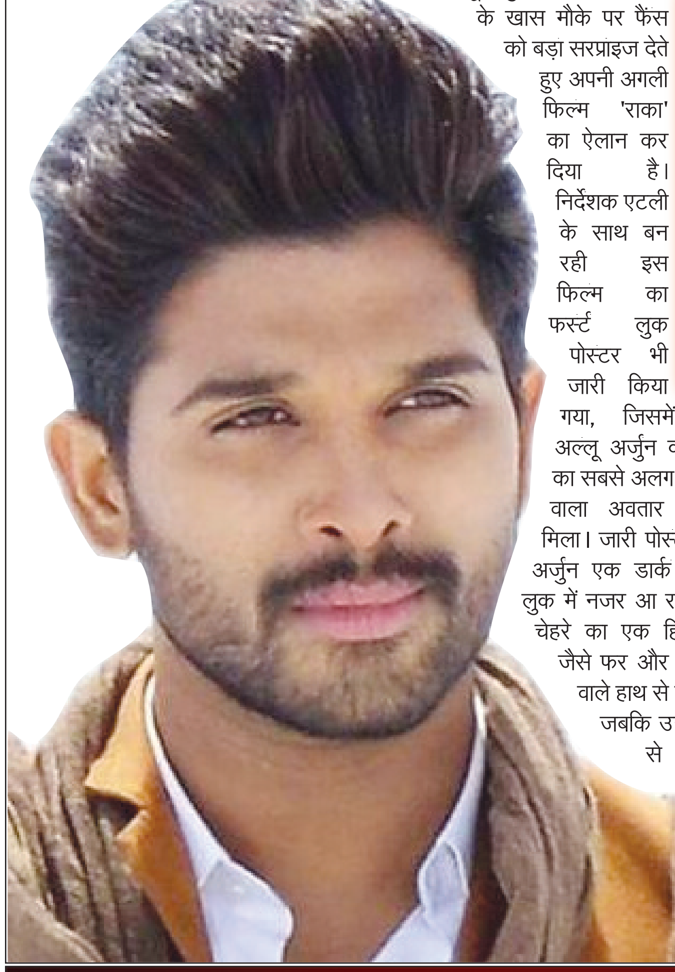

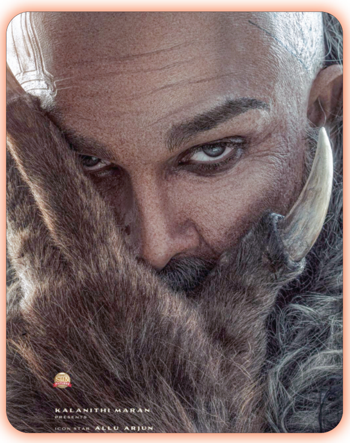

अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन के खास मौके पर फैंस को बड़ा सरप्राइज देते हुए अपनी अगली फिल्म 'राका' का ऐलान कर दिया है। निर्देशक एटली के साथ बन रही इस फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी किया गया, जिसमें अल्लू अर्जुन का अब तक का सबसे अलग और चौंकाने वाला अवतार देखने को मिला। जारी पोस्टर में अल्लू अर्जुन एक डार्क और इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे का एक हिस्सा भेड़िए जैसे फर और नुकीले पंजों वाले हाथ से ढका हुआ है, जबकि उनकी काजल से सजी आंखें ध्यान खींचती हैं। आधे गंजे और रफ हेयरस्टाइल के साथ यह लुक फिल्म के रहस्यमयी और हाई-ऑक्टेन एक्शन की ओर इशारा करता है। यह फिल्म अपने स्केल और स्टार पावर के चलते पहले से ही चर्चा में है, खासकर इसलिए क्योंकि इसमें दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। यह पहली बार होगा जब अल्लू अर्जुन और दीपिका बड़े पर्दे पर साथ दिखाई देंगे, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। 'पुष्पा' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की सफलता के बाद अल्लू अर्जुन से इस प्रोजेक्ट को लेकर उम्मीदें काफी ऊंची हैं। अपने करियर में लगातार नए प्रयोग करने वाले अभिनेता ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह अलग और बड़े सिनेमा के लिए जाने जाते हैं। 'राका' को एक भव्य पैन-इंडिया सिनेमाई अनुभव के रूप में तैयार किया जा रहा है, जो दर्शकों के लिए एक नया विजुअल ट्रीट साबित हो सकता है।

'धुरंधर-2' ने तोड़ा 'बाहुबली-2' का रिकॉर्ड

बनी बॉलीवुड की सबसे बड़ी फिल्म

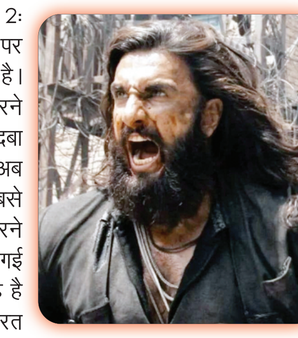

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचती जा रही है। रिलीज के 20 दिन पूरे करने के बाद भी फिल्म का दबदबा कायम है और यह अब बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। खास बात यह है कि फिल्म ने भारत में 'बाहुबली-2: द कन्क्लूजन' के लाइफटाइम कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया है। सैकनिल्क के अनुसार फिल्म ने 20वें दिन 10.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया। हालांकि, सप्ताह के मध्य में कमाई में गिरावट देखी गई, लेकिन इसके बावजूद कुल घरेलू कलेक्शन 1,033.37 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस आंकड़े के साथ 'धुरंधर 2' ने 'बाहुबली 2' के 1,030.42 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म अब 'पुष्पा 2: द रूल' के लाइफटाइम कलेक्शन 1,234.10 करोड़ रुपये को पार करने की ओर बढ़ रही है। इससे पहले 'धुरंधर 2' 'केजीएफ: चैप्टर 2', 'आरआरआर' और 'कल्कि 2898 एड' जैसी बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ चुकी है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। 'धुरंधर 2' की लगातार सफलता इसे भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल कर रही है।

राकेश बेदी ने की नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म धुरंधर-2 की सक्सेस के बाद अभिनेता राकेश बेदी ने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। धुरंधर-2 में राजनेता जमील जमाली का किरदार निभाने वाले अभिनेता एक समारोह में शामिल होने उज्जैन पहुंचे। इस दौरान अपने किरदार को लेकर अभिनेता ने की गई तैयारी पर बात की और यह भी साफ किया कि धुरंधर-3 नहीं आने वाली है। धुरंधर-2 की सक्सेस पर बात करते हुए अभिनेता राकेश बेदी ने कहा, फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट रही है और कमाई भी अच्छी कर रही है, लेकिन फिल्म का कॉन्सेप्ट और निर्देशन आदित्य धर का है।